मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 238
मंगलवार, 18 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

आतंकवाद-कट्टरपंथ के खिलाफ साझा प्रयास, भारत-न्यूजीलैंड ने साइन किए कई अहम समझौते

नई दिल्ली, 17 मार्च। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इससे आपसी व्यापार और निवेश की संभावनाओं को और बढ़ावा मिलेगा। डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण और फार्मा जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग और निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अवैध प्रवास के मुद्दे से निपटने के लिए भारत और

न्यूजीलैंड द्वारा एक समझौता तैयार करने के लिए काम किया जाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कगा कि आज हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। हमने अपनी रक्षा और सुरक्षा साझेदारी को मजबूत और संस्थागत बनाने का निर्णय लिया है। संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण के साथ-साथ रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग के लिए रोडमैप बनाया जाएगा। हमारी नौसेनाएं हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा के लिए संयुक्त टास्कफोर्स 150 में मिलकर काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री लक्सन और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री लक्सन का भारत के साथ पुराना नाता रहा है... इस साल के रायसीना डायलॉग के मुख्य अतिथि के रूप में उनके जैसे युवा, ऊजार्वान, प्रतिभाशाली नेता का होना हमारे लिए खुशी की बात है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।

देश में किसी को भी गाय के बारे में बोलने की इजाजत नहीं : शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

उत्तराखंड, 17 मार्च। ज्योतिर्मठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्व रानंद ने सोमवार को कहा कि देश में किसी को भी गौ संरक्षण की बात नहीं करने दिया जाता, ऐसा करने पर उसे तुरंत रोक दिया जाता है। उत्तराखंड स्थित पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्व रानंद ने यह टिप्पणी तब की जब दिल्ली पुलिस ने उन्हें यहां नरेला में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के कार्यालय की ओर जाने से रोक दिया।शंकराचार्य ने इससे पहले घोषणा की थी कि वे 17 मार्च को दिल्ली में सभी राजनीतिक दलों के कार्यालयों का दौरा करेंगे और गोहत्या के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। पुलिस द्वारा भाकपा कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क को अवरुद्ध किये जाने के बाद

शंकराचार्य ने कहा, इस देश में किसी को भी गोरक्षा की बात नहीं करने दिया जाता। अगर कोई ऐसा करता है, तो उसे तुरंत रोक दिया जाता है...मैं यह बात सभी के ध्यान में लाना चाहता हूं। शंकराचार्य ने पुलिस के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा, उन्होंने रास्ते को पुलिस के ट्रक से बंद कर दिया है। हम उन्हें (पुलिस) लगातार अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन वे हमें आगे नहीं जाने दे रहे। उन्होंने कहा, गोरक्षक निश्चित रूप से अपनी आवाज उठाएंगे।

अमित शाह 21 मार्च से ओडिशा की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे

नई दिल्ली, 17 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय यात्रा पर 21 मार्च को ओडिशा आएंगे और इस दौरान राज्य में कई विकास परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को यह जानकारी दी।

भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने बताया कि शाह 21 मार्च की शाम झारसुगुड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और एमसीएल अतिथि गृह में रुकेंगे। उन्होंने बताया कि शाह 22 मार्च को झारसुगुड़ा के पीएचडी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करने से पहले संबलपुर स्थित मां समलेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। भाजपा नेता के मुताबिक जनसभा को संबोधित करने के अलावा केंद्रीय मंत्री वहां कुछ

अमित शाह

परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। सामल ने संवाददाताओं को बताया कि इसके बाद वह भुवनेश्वर होते हुए पुरी जाएंगे और रात्रि विश्राम तटीय शहर में करेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक तय कार्यक्रम के अनुसार शाह 23 मार्च को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर जाएंगे और जटनी में प्रस्तावित फॉरेंसिक विश्वविद्यालय की आधारशिला रखेंगे। इस बीच, ओडिशा के शीर्ष भाजपा नेताओं ने रविवार को संबलपुर जिले के बुर्ला में बैठक की और केंद्रीय मंत्री के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की। पार्टी नेता के मुताबिक, शाह के दौरे के दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

वक्फ संशोधन विधेयक पर बढ़ी तकरार, हजारों मुसलमानों ने घेर ली पूरी दिल्ली

नई दिल्ली, 17 मार्च। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बोर्ड ने इस विधेयक को वापस लेने की मांग की, क्योंकि उसका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए खतरा है। हालांकि, सरकारी नेताओं ने कहा है कि देश कानून के मुताबिक चलेगा और वक्फ विधेयक को मौजूदा बजट सत्र के दूसरे हिस्से में संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। एआईएमपीएलबी के उपाध्यक्ष उबैदुल्लाह आजमी ने भारतीय संविधान द्वारा गारंटीकृत धार्मिक मामलों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह नमाज और रोजा हमारे लिए महत्वपूर्ण है, उसी

तरह वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। सरकार को वक्फ की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय उसने एक ऐसा कानून पेश किया है जो सरकार को वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण करने का अधिकार देता है।

आजमी ने सरकार के कामों की आलोचना करते हुए कहा कि भारत को अधीनता के आधार पर नहीं बल्कि वफादारी के आधार पर स्वीकार किया गया था। यह भूमि किसी के पूर्वजों की नहीं है। हमने इस भूमि के लिए बलिदान दिया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बिल को निरस्त नहीं किया गया तो एआईएमपीएलबी के नेतृत्व में मुसलमान देश की कोई भी कुबार्नी देने के लिए तैयार रहेंगे। व्यवस्था बनाए रखने के लिए जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ अक्टढछइ के रुख के साथ एकजुटता दिखाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एआईएमपीएलबी पर वक्फ संशोधन विधेयक का इस्तेमाल अशांति भड़काने और मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के बहाने के रूप में करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एआईएमपीएलबी और कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम सहित उसके राजनीतिक सहयोगियों की आलोचना करते हुए दावा किया कि वे सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

विकसित महाराष्ट्र का लक्ष्य हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे और कृषि को प्राथमिकता: अजित पवार

मुंबई, 17 मार्च महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि महायुति सरकार ने विकसित महाराष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि, उद्योग, रोजगार सृजन और कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी है। राज्य के बजट 2025-26 पर विधानसभा में चर्चा का जवाब देते हुए पवार ने कहा कि बड़े सपने देखने और बड़े विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। अजित पवार के पास राज्य के वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार में ताकत और राजनीतिक इच्छाशक्ति है। उन्होंने कहा कि यदि सड़क अवसंरचना और नेटवर्क का विस्तार किया जाए, तो उद्योगों की उत्पादकता बढ़ेगी, किसानों को परिवहन पर कम खर्च उठाना पड़ेगा, ईंधन की बचत होगी और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।पवार ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी राज्य में कृषि को नया जीवन देगी और किसानों को समृद्ध बनाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन

योजना जारी रहेगी और अयोग्य लाभार्थियों को हस्तांतरित धन वापस नहीं लिया जाएगा। पवार ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कई महिलाओं ने छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए 1,500 रुपये का इस्तेमाल शुरूआती पूंजी के तौर पर किया है, और कई महिलाओं ने यह अपील किये जाने के बाद उज्ज्वला गैस योजना का लाभ छोड़ दिया है कि यह योजना समाज के गरीब वर्गों के लिए है। उन्होंने कहा, अगर ऐसी महिलाओं को सशक्त बनाया जाता है, तो राज्य की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। मंत्री ने कहा कि सरकार के कृषि विकास पर ध्यान केंद्रित करने के कारण, इस क्षेत्र की वृद्धि दर 2024-25 में बढ़कर 8.7 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि 2023-24 में यह 3.3 प्रतिशत थी।

जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफल हो रहे हैं : चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश, 17 मार्च। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि जो लोग अपनी मातृमें शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह एक गलत धारणा प्रचलित है कि केवल अंग्रेजी में ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

विधानसभा में मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, केवल संवाद का माध्यम है। ज्ञान से नहीं आ जाएगा। जो लोग अपनी मातृमें पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृमें शिक्षा हासिल करना आसान होता है। नायडू की यह टिप्पणी उपमुख्यमंत्री और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार के बीच जारी विवाद पर टिप्पणी करने के बाद आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आपसे यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं... नफरत करने के लिए नहीं है। यहां (आंध्र प्रदेश में) मातृतेलुगु है। हिंदी राष्ट्रीय भाषा है और अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी है।

विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म से शर्मसार होता देश

-ललित गर्ग

अतिथि देवो भवः भारतीय संस्कार में मेहमान को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आए दिन विदेशी मेहमानों के साथ हो रहे अपराध, यौन-दुराचार एवं व्यभिचार इसे धता बता रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद विदेशियों के साथ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे, ऐसी ही दो विदेशी महिलाओं संग हुई दरिंदगी की घटनाओं को सुन भारतीय लोगों का दिल दहल गया। कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। थोड़े-थोडे. अन्तराल के बाद होने वाली ऐसी घटनाएं न केवल शर्मसार कर रही है बल्कि भारत के संस्कारों एवं अस्मिता पर भी दाग लगा रही है। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़-सी आई हुई है। न केवल विदेशी बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की इन तमाम घटनाओं को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है? कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण एवं विकृत होती मानसिकता का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़-सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है, जिसे नियंत्रित करना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए एवं सामाजिक जागृति का माहौल भी बनाया जाना चाहिए।

निश्चय ही विदेशी महिलाओं के साथ होने वाले ऐसे घिनौने एवं दुराचारी कृत्य देश की छवि को धूमिल करने वाले है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। इसने न सिर्फ समाज की छवि को धूमिल किया, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डाला है। यह भारतीय पर्यटन को आहत कर सकता है, बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें। समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार क्षत-विक्षत हो रही है। गाहे-बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। लेकिन दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला अधिक चिन्ताजनक है। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। सवाल है कि जब ऐसी कोई आपराधिक घटना हो जाती है और जनाक्रोश उभरता तथा मामला तूल पकड़ लेता है, तभी सरकार, प्रशासन एवं पुलिस की नींद क्यों खुलती है? यही सक्रियता अगर सामान्य स्थितियों में भी कायम रहे, तो शायद आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के भीतर कानूनी कार्रवाई का डर बन सकता है और इस तरह ऐसे अपराधों को पहले ही रोका जा सकता है।

विदेशी महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में विदेशी महिलाओं को लेकर गलत धारणा एवं विकृत सोच कायम है जो भारत की गौरवपूर्ण संस्कृति को धुंधलाती है। देश की राजधानी दिल्ली में ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर हमें शर्मसार किया है, झकझोर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि नारी अस्मिता को कुचलने की हिंसक मानसिकता का तोड़ हम अब भी क्यों नहीं तलाश पा रहे हैं? क्यों नये-नये एवं सख्त कानून बन जाने के बावजूद नारी की अस्मिता एवं अस्तित्व असुरक्षित है? क्यों हमारे शहरों को द्यरेप सिटी ऑफ द वर्ल्ड कहा जाने लगा है। आखिर कब तक महिलाओं के साथ ये दरिन्दगीभरी एवं त्रासद घटनाएं होती रहेंगी? नारी की अस्मत का सरेआम लूटा जाना एवं उन पर हिंसा-एक घिनौना और त्रासद कालापृष्ठ है और उसने आम भारतीय को भीतर तक झकझोर दिया।

कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब तीन दशक पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। रेप, यौन-दुष्कर्म, व्यभिचार जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रेपिस्टों एवं दुष्कर्मियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। ये घटनाएं शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। कानून कितने भी क्यों न हों जब तक समाज स्वयं महिलाओं को सम्मान नहीं देगा तब तक कुछ नहीं हो सकता। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हैवानियत, दरिन्दगी को, बलात्कार को।

जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, वैसे-वैसे महिलाओं पर हिंसा एवं यौनाचार के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं। अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, आनलाइन मित्रता और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण एवं हिंसा के तरीके हैं। पहले कहा जाता था कि ऐसे अपराध केवल निरक्षर और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा होते हैं लेकिन आजकल शहरों और महानगरों में महिलाओं एवं विशेषतः विदेशी महिलाओं के साथ अन्याय एवं यौन-दुष्कर्म की खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती हैं। हम सभी कल्पना रामराज्य की करते हैं पर रच रहे हैं महाभारत। महाभारत भी ऐसा जहां न कृष्ण है, न युधिष्ठिर और न अर्जुन। न भीष्म पितामह हैं, न कर्ण। सब धृतराष्ट्र, दुर्योधन और शकुनि बने हुए हैं। न गीता सुनाने वाला है, न सुनने वाला। बस हर कोई द्रोपदी का चीरहरण कर रहा है। सारा देश चारित्रिक संकट में है। जब समाज की मानसिकता दुराग्रहित है तो दुष्कर्म एवं दुष्प्रवृत्तियां ही होती हैं। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। जब कभी ऐसी किसी खौफनाक, त्रासद एवं डरावनी घटना की अनेक दावों के बावजूद पुनरावृत्ति होती है तो यह हमारी जबावदारी पर अनेक सवाल खड़े कर देती है।

प्रश्न है कि आखिर हम कब औरत की अस्मत को लुटने की घटना और हिंसक मानसिकता पर नियंत्रण कर पायेंगे? कब हम विदेशी लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आतिथ्य प्रदान करने की पात्रता विकसित कर पायेंगे? अफसोसजनक यह है कि नये-नये नारों एवं उद्घोषों के साथ दुनियाभर के लोगों को भारत आने का आग्रह किया जाता है, मगर विदेश से भारत घूमने आने वाली महिलाओं के साथ ऐसी खौफनाक एवं डरावनी घटनाएं होना न केवल चिन्ताजनक बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण है। बड़ा सवाल है कि विदेशों में भारत की छवि पर दाग न लगे, इसके लिये सरकार को सख्त होना होगा। भारत में जिस अतिथि देवो भव एवं वसुधैव कुटुम्बकम का हवाला दिया जाता रहा है, उसे सचमुच जमीन पर उतारना या सुनिश्चित करना सरकार एवं प्रशासन का ही दायित्व है। एक आदर्श-शासन-व्यवस्था, सृसंस्कृत एवं सभ्य देश एवं समाज के लिये ऐसी घटनाओं का बार-बार होना भी शर्मनाक ही कहा जायेगा। हर व्यक्ति एक न्यूनतम आचार संहिता से आबद्ध हो, अनुशासनबद्ध हो। जो व्यवस्था अनुशासन आधारित संहिता से नहीं बंधती, वह विघटन की सीढ़ियों से नीचे उतर जाती है।

बिहार चुनाव की सुब्बुगाहत शुरू होते ही हो गया दलबदल का सिलसिला शुरू!

अशोक भाटिया

राजनीति आज स्वार्थ सिद्धि का जरिया बन गई हे, सेवा भाव गायब है। यह शक्ति हासिल करने का जरिया बन गई है। विचारधारा से कोई मतलब नहीं रहा। यही वजह है कि जिस पार्टी के खिलाफ भाषण देने वाले नेता उसी पार्टी में शामिल होने में संकोच नहीं करते। राजनीतिक पार्टियां भी सत्ता में आने के लिए दलबदलू नेताओं को महत्त्व देती हैं। ये पार्टियां विपरीत विचारधारा वाले नेताओं को भी अपनी पार्टी में शामिल करने से गुरेज नहीं करती हैं।भारतीय राजनीति में दलबदल हमेशा से ही प्रचलित रहा है।

बिहार में विधानसभा चुनाव में अभी केवल छह माह का वक्त बचा है। इससे पहले ही नेताओं का दल-बदल शुरू हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नेताओं का एक पार्टी छोड़कर दूसरे दल में जाने का सिलसिला आने वाले समय में और तेज होगा। राज्य की दो प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियां जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के कई नेता अब तक पाला बदल चुके हैं। ये दोनों ही पार्टियां एक-दूसरे के अंदर सेंधमारी करने की कोशिश में जुटी हुई है। वहीं, हाल ही में नई पार्टी बनाने वाले प्रशांत किशोर के जन सुराज संगठन से भी बड़ी संख्या में नेता जुड़ रहे हैं। इससे सभी प्रमुख पार्टियां और खासकर आरजेडी में खलबली मची हुई है। कुछ समय पूर्व ही समस्तीपुर से आरजेडी कई नेताओं ने पाला बदलकर जेडीयू का दामन थामा था। अब मंगलवार को आरजेडी ने जेडीयू में सेंधमारी की और नालंदा से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के कई नेता लालू एवं तेजस्वी यादव के खेमे में चले गए। नालंदा सीएम नीतीश का गृह जिला है, यहां जेडीयू के अंदर टूट होने से सियासी गलियारे में हलचल तेज है।

दूसरी ओर, लालू एवं तेजस्वी यादव अपनी पार्टी में टूट से चिंतित हैं। पिछले कुछ दिनों में पार्टी के कई नेता एवं पदाधिकारी आरजेडी छोड़कर प्रशांत किशोर के जन सुराज से जुड़ गए। आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने अपनी पार्टी के नेताओं को सचेत करते हुए जन सुराज से दूर रहने के लिए दो बार पत्र भी लिखे। जन सुराज बिहार की राजनीति में एक नए विकल्प के तौर पर उभर रहा है। ऐसे में आरजेडी जैसे प्रमुख दलों में टिकट चाहने वाले नेता पीके की ओर आकर्षित हो रहे हैं। दरअसल राजनीतिक दलबदल की भरमार होने के बावजूद भारत का दलबदल विरोधी कानून मूकदर्शक बना हुआ है। भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत, दलबदल विरोधी कानून 1985 में संसद और राज्य विधानसभाओं दोनों में 1960-70 के दशक में निर्वाचित विधायकों द्वारा बड़े पैमाने पर दलबदल को रोकने के लिए बनाया गया था। हालाँकि, 2002 में, संविधान के कामकाज की समीक्षा करने वाले राष्ट्रीय आयोग ने इस कानून की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि दलबदल विरोधी कानून के लागू होने के बाद भारत में दलबदल की संख्या में वृद्धि हुई है! दसवीं अनुसूची इतनी बुरी तरह से कैसे विफल हो गई?

दसवीं अनुसूची की कई कमियों का श्रेय इसके प्रारूपण को दिया जा सकता है, जो दलबदल, विशेष रूप से समूह दलबदल के लिए स्पष्ट खामियाँ छोड़ता है। दसवीं अनुसूची उन विधायकों को अयोग्य ठहराती है जो स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देते हैं या जब वे संसद या राज्य विधानसभा में अपनी पार्टी के निर्देश के विरुद्ध मतदान करते हैं। स्वतंत्र सांसद/विधायक सदन से अयोग्य ठहराए जा सकते हैं यदि वे अपने चुनाव के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होते हैं। अयोग्यता के लिए याचिकाएँ सदन के अध्यक्ष या सभापति के समक्ष, जैसा भी मामला हो, प्रस्तुत की जा सकती हैं।

दलबदल विरोधी कानून में दो अपवाद भी शामिल किए गए हैं - एक राजनीतिक दल में ₹विभाजन₹ से संबंधित है, और दूसरा दो दलों के बीच ₹विलय₹ के मामले में। इस कानून के इर्द-गिर्द संसदीय बहस से पता चलता है कि इन अपवादों का इस्तेमाल विधायकों और उनकी पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेदों के कारण दलबदल के सैद्धांतिक मामलों की रक्षा के लिए संयम से किया जाना था। हालांकि इरादे नेक थे, लेकिन इन अपवादों का इस्तेमाल किसी की सुविधा के लिए बहुत बार किया गया। वास्तव में, दलबदल को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को गिराने के लिए इसके बार-बार इस्तेमाल के कारण, विभाजन अपवाद को 2003 में संविधान से हटा दिया गया था।

हालाँकि, विलय अपवाद जारी रहा है। दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 4 के अंतर्गत पाया गया, विलय अपवाद दो उप-पैराग्राफों में फैला हुआ है। इन दो उप-पैराग्राफों को मिलाकर पढ़ने पर यह अनिवार्य हो जाता है कि विधायक अयोग्यता से छूट का दावा कर सकता है यदि दो शर्तें एक साथ पूरी होती हैं - पहली, विधायक की मूल राजनीतिक पार्टी किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में विलय कर लेती है, और दूसरी, विधायक ऐसे समूह का हिस्सा है जिसमें विलय के लिए सहमत ₹विधायक दल₹ के दो-तिहाई सदस्य शामिल हैं। विधायक दल का मतलब है एक विधान सभा के भीतर एक विशेष पार्टी से संबंधित सभी निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बना समूह।

विलय अपवाद पर सरसरी निगाह डालने से पता चलता है कि इसका मसौदा अनावश्यक रूप से जटिल है, जो स्पीकर और अदालतों दोनों द्वारा कई तरह की व्याख्याओं के लिए उपयुक्त है। जिस व्याख्या को कई उच्च न्यायालयों ने पसंद किया है, वह यह है कि जैसे ही किसी विशेष विधायक दल के दो-तिहाई सदस्य किसी अन्य विधायक दल के साथ विलय के लिए सहमत होते हैं, दो राजनीतिक दलों के बीच विलय ₹मानार₹ जाता है। ऐसी व्याख्या के लिए राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर मूल राजनीतिक दलों के वास्तविक विलय की आवश्यकता नहीं होती है। यह प्रतीत होता है कि जटिल कानूनी शब्दावली विधानमंडल के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक दलों की कार्रवाइयों पर स्पष्ट रूप से ठोस प्रभाव डालती है। यह देखते हुए कि पार्टियों को केवल सदन के अंदर अपने विधायी विंग के बीच विलय दिखाने की आवश्यकता है (और इसके बाहर के सदस्यों के नहीं), वैध विलय आराम से हो जाते हैं। इसका एक स्पष्ट उदाहरण है जब 2019 में, गोवा विधानसभा में 15 में से 10 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हो गए, और इसे भाजपा और कांग्रेस विधायक दलों के बीच एक वैध विलय माना गया। गोवा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 10 कांग्रेस विधायकों को अयोग्यता से छूट दी गई थी, जिसके निर्णय को अंततः बॉम्बे उच्च न्यायालय (गोवा पीठ) ने बरकरार रखा था। प्रभावी रूप से, केवल विधायक दलों के बीच कथित विलय को साबित करने की आवश्यकता ने व्यावहारिक रूप से समूह दलबदल को आसान बना दिया है।

स्वाभाविक रूप से, दलबदल विरोधी कानून के तहत दलबदलू विधायकों के अयोग्य घोषित न होने का मुख्य कारण विलय और विभाजन रहा है। विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी ('विधि') ने 1986-2004 के बीच लोकसभा के अध्यक्षों के समक्ष दायर 55 अयोग्यता याचिकाओं का सर्वेक्षण किया। इनमें से 49 याचिकाओं के परिणामस्वरूप कोई भी विधायक अयोग्य घोषित नहीं हुआ, भले ही उन्होंने सदन में विरोध प्रदर्शन किया हो। इनमें से 77% (49 में से 38) में दलबदलू विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया क्योंकि वे अपनी मूल पार्टी में विभाजन या किसी अन्य के साथ विलय को वैध साबित कर सकते थे। उत्तर प्रदेश से भी इसी तरह के खुलासे हुए - 1990-2008 के बीच दायर 69 याचिकाओं में से केवल दो के परिणामस्वरूप अयोग्यता हुई। अयोग्यता न होने के 67 मामलों में, विलय और विभाजन 55 बार (लगभग 82%) कारण के रूप में सामने आए। दलबदल विरोधी कानून को स्वतंत्र सांसदों/विधायकों सहित व्यक्तियों द्वारा दलबदल को दंडित करने में कुछ हद तक सफलता मिली है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष 1989-2011 के बीच दायर 39 याचिकाओं के विधि के सर्वेक्षण से पता चला है कि अयोग्यता के 12 मामलों में से 9 मामले स्वतंत्र विधायकों की अयोग्यता से संबंधित थे। इसमें 2004 में 6 स्वतंत्र विधायकों को अयोग्य ठहराना भी शामिल है, जो राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे, जिसे स्पीकर सतबीर सिंह कादियान ने रद्द कर दिया था।

मेघालय विधानसभा (1988-2009) से सर्वेक्षित 18 अयोग्यता याचिकाओं में से पांच निर्दलीय विधायकों से संबंधित थीं, जिन्हें स्पीकर ने एक राजनीतिक दल में शामिल होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया था। 8-9 अप्रैल 2009 के बीच तीन ऐसे मामले हुए, जब निर्दलीय विधायक पॉल लिंगदोह, इस्माइल आर। मारक और लिमिसन डी। संगमा क्रमशः कांग्रेस, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी और एनसीपी में शामिल हो गए। उन सभी को तत्कालीन स्पीकर बिंदो एम। लानोंग ने अयोग्य घोषित कर दिया था, जिन्होंने चुनाव खत्म होने के बाद अपनी पसंद की राजनीतिक पार्टियों का साथ देकर लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक उड़ाने के लिए निर्दलीय विधायकों को फटकार भी लगाई थी।

राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों के निर्णयों के बारे में डेटा उनकी आधिकारिक वेबसाइटों पर आसानी से उपलब्ध नहीं है (कम से कम अंग्रेजी में तो नहीं), जो दसवीं अनुसूची के व्यापक मूल्यांकन को रोक सकता है। फिर भी, यह कहना सुरक्षित है कि कानून की सफलताएँ गिने-चुने हैं, और यह काफी हद तक अव्यवहारिक है। इस साल की शुरूआत में, अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में, इस कानून की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की गई थी। हम केवल यही उम्मीद कर सकते हैं कि यह समिति आवश्यक कार्य करेगी - दसवीं अनुसूची के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा करेगी, और भारत को एक दलबदल विरोधी कानून देगी जो संसदीय लोकतंत्र को आगे बढ़ाएगा।

चुलबुली गौरैया के लिए घर में बनाएं बयां

(20 मार्च विश्व गौरैया दिवस पर विशेष)

- प्रभुनाथ शुक्ल

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम हम प्रकृति और जीव जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की टैरिश पर पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृतिम घोंसला लगाने लगे। गौरैया धीरे हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु -पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी खासी भूमिका निभाते हैं, लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता।

गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे,लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जिसकी वजह पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है।

भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बड्र्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी।

गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौवा, महोख, कठफोड़वा, कौवा और गौरैया शामिल हैं।इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है, लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे हम अपनी पर्यावरण दोस्त को उचित माहौल दे पाएं।

दुर्लभ बीमारियों के बोझ तले कहराते मरीज

-डॉ सत्यवान सौरभ

दुर्लभ बीमारियाँ ऐसी स्थितियाँ हैं जो आबादी के एक छोटे से हिस्से को प्रभावित करती हैं, फिर भी वे सामूहिक रूप से भारत में 70 मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित कर रही हैं। दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2021 उनके उपचार से जुड़ी चुनौतियों से निपटने का प्रयास करती है, लेकिन वित्तीय सीमाएँ एक महत्त्वपूर्ण बाधा बनी हुई हैं। हर साल प्रति मरीज ?10 लाख से ?16 करोड़ तक के उपचार खर्च के साथ, अपर्याप्त फंडिंग तंत्र रोगियों के लिए आवश्यक देखभाल तक पहुँचना मुश्किल बनाते हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। अधिकांश दुर्लभ बीमारियों का एक आनुवंशिक आधार होता है और अक्सर गंभीर, पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनते हैं। कई में उचित निदान विधियों या उपचार प्रोटोकॉल का अभाव होता है और मौजूदा उपचार आमतौर पर इलाज प्रदान करने के बजाय केवल लक्षणों का प्रबंधन करते हैं। भारत में, कई विकासशील देशों की तरह, दुर्लभ बीमारियों की कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है। भारत में दुर्लभ बीमारियों का बोझ काफी अधिक है, जो वैश्विक मरीजों का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। दुर्लभ रोगों के लिए राष्ट्रीय नीति से पता चलता है कि भारत में लगभग 50-100 मिलियन व्यक्ति इन स्थितियों से प्रभावित हैं। देश में 450 से अधिक मान्यता प्राप्त दुर्लभ बीमारियाँ हैं, जिनमें स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी और गौचर रोग जैसी प्रसिद्ध स्थितियाँ शामिल हैं। लगभग 8 से 10 करोड़ भारतीय दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित हैं, जिनमें से 75% से अधिक बच्चे हैं। इन गंभीर स्थितियों से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर की उच्च दर एक प्रमुख कारण है कि इनमें से कई बच्चे वयस्कता तक जीवित नहीं रह पाते हैं।

प्रति मरीज 50 लाख की एकमुश्त फंडिंग, पुरानी दुर्लभ बीमारियों के आजीवन प्रबंधन के लिए अपर्याप्त है, जिसके परिणामस्वरूप उपचार बंद हो जाता है। हालाँकि 12 उत्कृष्टता केंद्रों को 143.19 करोड़ आवंटित किए गए हैं, लेकिन फंड वितरण में देरी से आवश्यक उपचारों तक पहुँच में बाधा आती है। कुछ उत्कृष्टता केंद्रों ने फंड का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में देरी की है, जिससे गौचर रोग के रोगियों के लिए एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी में देरी हो रही है, इसके स्थापित लाभों के बावजूद 2021 में एसिड स्फिंगोमाइलेनेज डेफिसिएंसी जैसी अति-दुर्लभ स्थितियाँ शामिल नहीं हैं, जिससे पात्र रोगी वित्तीय सहायता के बिना रह जाते हैं। भारत में, एसिड स्फिंगोमाइलिनेज की कमी के रोगी सरकारी सहायता के बिना हैं, भले ही चिकित्सकीय रूप से स्वीकृत उपचार उपलब्ध हों। फंड के उपयोग की निगरानी करने और समय पर उपचार प्रदान करने के लिए कोई निरीक्षण नहीं है। संसद द्वारा समर्थित पहलों के क्रियान्वयन में देरी हो रही है, जिससे लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर वाले रोगी आवश्यक सहायता के बिना पीड़ा झेल रहें हैं। लंबी स्वीकृति प्रक्रिया और खराब अंतर-एजेंसी समन्वय के कारण उपचार में रुकावट आती है। क्राउडफंडिंग पोर्टल से फंड का इंतजार कर रहे मरीजों को अक्सर अस्पष्ट पात्रता मानदंड और प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण देरी का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 एक स्थायी फंडिंग मॉडल के बजाय एकमुश्त अनुदान पर निर्भर करता है, जिससे चल रहे उपचार अव्यवहारिक हो जाते हैं। लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के रोगियों को आजीवन एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी की आवश्यकता होती है, लेकिन नीतिगत प्रावधान ?50 लाख के बाद फंडिंग को समाप्त कर देते हैं।

राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 में 450 से अधिक दुर्लभ बीमारियों में से आधे से भी कम को कवर किया गया है, जिससे कई मरीज बिना किसी सहायता के रह जाते हैं। पॉम्पे और फैब्री रोग जैसी स्थितियाँ, जिनके प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं, नीति द्वारा पूरी तरह से कवर नहीं की गई हैं। प्रदर्शन ऑडिट की अनुपस्थिति अप्रभावी कार्यान्वयन और उत्कृष्टता केंद्रों में धन के कम उपयोग की ओर ले जाती है। इन केंद्रों ने पारदर्शी निधि वितरण प्रदान करने में देरी की है, जिसके परिणामस्वरूप लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के रोगियों के लिए गंभीर देरी हुई है। डॉक्टरों और रोगियों दोनों को अक्सर उपलब्ध उपचारों और वित्तपोषण विकल्पों के बारे में जानकारी का अभाव होता है, जो आउटरीच प्रयासों में बाधा डालता है। राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 लाभों के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले कई परिवार इनके बारे में नहीं जानते हैं, जिसके परिणामस्वरूप केंद्रों में नामांकन दर कम है। केंद्रीकृत डेटाबेस की कमी से रोगी के गलत अनुमान और धीमी नीति प्रतिक्रियाएँ होती हैं। एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री वास्तविक समय की उपचार आवश्यकताओं की प्रभावी रूप से निगरानी कर सकती है, जिससे बेहतर निधि वितरण और समय पर नीति समायोजन की सुविधा मिलती है। आजीवन उपचार खर्चों को कवर करने के लिए प्रति रोगी ?50 लाख से अधिक का एक स्थायी सरकारी कोष बनाना आवश्यक है। जर्मनी और यूके जैसे देशों ने दुर्लभ बीमारियों के लिए विशेष कोष स्थापित किए हैं, जिससे निरंतर रोगी देखभाल सुनिश्चित होती है। हमें सरकारी संसाधनों को बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी फंडिंग, दवा कंपनियों के साथ साझेदारी और क्राउडफंडिंग प्रयासों का उपयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, भारत में नोवार्टिस की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के रोगियों को महंगी जीन थेरेपी की आवश्यकता के लिए सहायता प्रदान की है। दुर्लभ बीमारियों के लिए आजीवन उपचार को शामिल करने के लिए आयुष्मान भारत और राज्य बीमा कार्यक्रमों का विस्तार करना महत्त्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, फंड के उपयोग की निगरानी, रोगी के उपचार की प्रगति को ट्रैक करने और सीओई की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाना चाहिए। ब्लॉकचेन-आधारित ट्रैकिंग सिस्टम को लागू करने से नौकरशाही बाधाओं के बिना पारदर्शी फंड वितरण की गारंटी मिल सकती है।

त्वरित निदान, किफायती उपचार और बेहतर बुनियादी ढाँचा सुनिश्चित करने के लिए ?974 करोड़ की पहल में तेजी लाएँ। इस कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाने से हजारों अनुपचारित रोगियों को बहुत लाभ हो सकता है और बाल मृत्यु दर को कम करने में मदद मिल सकती है। एक संपूर्ण दुर्लभ रोग नीति को केवल इरादों से आगे बढ़कर प्रभावी निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सरकारी सहायता, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रयासों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मिलाकर स्थायी वित्तपोषण आवश्यक है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना, प्रारंभिक निदान को बढ़ाना और बीमा कवरेज को व्यापक बनाना उपचार को और अधिक सुलभ बना देगा। भारत में दुर्लभ रोग रोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मजबूत संस्थागत ढाँचों द्वारा समर्थित रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को अपनी निदान सटीकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। दुर्लभ रोगों के पारिवारिक इतिहास वाली गर्भवती माताओं को अनिवार्य प्रसव पूर्व जाँच और प्रसवोत्तर देखभाल से गुजरना चाहिए। सरकार को दुर्लभ रोगों की स्पष्ट परिभाषा स्थापित करनी चाहिए, बजट आवंटन बढ़ाना चाहिए, दवा विकास और उपचारों के लिए धन आवंटित करना चाहिए और उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या का विस्तार करना चाहिए। ये कदम दुर्लभ बीमारियों की राष्ट्रीय नीति 2021 को मजबूत करेंगे। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को सीएसआर पहलों और वित्तपोषण सहयोग के माध्यम से दुर्लभ बीमारियों के लिए सामाजिक सहायता कार्यक्रमों के वित्तपोषण में शामिल होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, दुर्लभ बीमारियों के लिए सभी जीवन रक्षक दवाओं से जीएसटी हटाने से इन दवाओं को और अधिक किफायती बनाने में मदद मिलेगी।

रोटरी क्लब द्वारा अधिकारी लाइफ लाइन हॉस्पिटल नागझरी में निःशुल्क डायलिसिस सेंटर की शुरूआत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब द्वारा लोगों को मुफ्त डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जिले के बोईसर क्षेत्र के ग्राम पंचायत नागझरी अंतर्गत स्थित अधिकारी लाइफलाइन हॉस्पिटल में 9 डायलिसिस मशीनों का उद्घाटन मुख्य अतिथि दानदाता रोटेरियन योगेश महनसरीया व रोटेरियन जगदीश वोरा तथा रोटरी क्लब बम्बई के प्रेसिडेंट रोटेरियन सत्यन इसरानी के नेतृत्व में अति विशिष्ट अतिथि पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन संदीप अगरवाला की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

बतादें कि मुख्य अतिथि दानदाता रोटेरियन योगेश महनसरीया द्वारा आठ डायलिसिस मशीन तथा रोटेरियन जगदीश वोरा द्वारा एक डायलिसिस मशीन दान के तौर पर अधिकारी लाइफलाइन हॉस्पिटल नागझरी में उपलब्ध कराई गई है।

कार्यक्रम में रोटरी क्लब बम्बई से परियोजना प्रभारी रो. स्वाति जाजोदिया,रो. अभिषेक तथा रो. विनीत भटनागर, रो. अखिल सांघी, रो. संघाणी, रो. अनिरुद्ध चौधरी उपस्थित रहे। दनादताओं द्वारा दी गई इन नौ डायलिसिस मशीनों से क्षेत्र के मरीजों का निःशुल्क डायलिसिस किया जाएगा। यह सुविधा सभी वर्ग के लोगों के लिए प्रदान की गई है। इस अवसर पर अधिकारी लाइफलाइन हॉस्पिटल नागझरी से प्रशासक डॉ.मीरा मनोज अधिकारी,चिकित्सा अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे। अधिकारी लाइफलाइन हॉस्पिटल की प्रशासक डॉ. मीरा

रोटरी क्लब के दानदाताओं ने 9 डायलिसिस मशीनों को किया दान

मनोज अधिकारी ने परियोजना में आए हुए सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन पास्ट प्रेसिडेंट राकेश मिश्रा ने बखूबी से निभाया। परियोजना की सफलता के सूत्रधार रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन राकेश मिश्रा रहे। उनके अथक प्रयास का यह सकारात्मक परिणाम है जिससे इस क्षेत्र के किडनी की बीमारी के मरीजों को डायलिसिस के लिए दूरदराज के शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। इस सुविधा का लाभ मुफ्त में सभी वर्गों के लोग उठा सकेंगे। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर से प्रथम महिला संध्या शहापुरे, पास्ट प्रेसिडेंट संदीप राउत, रो.रमेश मित्तल, रो.स्वामीनाथ पाण्डेय, रो.शचींद्र बाजपाई, रो.रेखेश जैन, रो.अलका जैन , रो. स्मिता जाधव, रोटेरियन रामनारायण गोयल, रो. डॉ सोनम खांडेजोड, रो. शैलेश अगरवाल तथा डिस्ट्रिक्ट अधिकारी रो. भगवान पाटिल, रो. प्रशांत पाटिल तथा प्रेसिडेंट मनोर हाइवे क्लब, उमरोली क्लब से रो. सागर घरत, एवं रोटरी एन मिसेज स्वयंप्रभा मिश्रा के अलावा अन्य रोटरी क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। समारोह के समापन पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के प्रेसिडेंट रोटेरियन विलास शहापुरे ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों का आभार जताया।

ग्रुप लग्रों इंडिया ने महाराष्ट्र में दो वॉटर टेबल रिचार्ज परियोजनाएं शुरू की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इलेक्ट्रिकल और डिजिटल बिल्डिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में एक विश्वसनीय नाम, ग्रुप लग्रों इंडिया ने पुणे के भोर गांव में अपने वॉटर टेबल रिचार्ज प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य पालघर के वाडा और पुणे के भोर गाँवों में भूजल की उपलब्धता को बढ़ाना है।

यह वॉटर टेबल रिचार्ज प्रोजेक्ट 50 सामुदायिक बोरवेलों को पुनर्भरित करना जारी रखती है, जिससे हर साल 10 करोड़ लीटर पानी का पुनर्भरण होने की उम्मीद है, जिससे इन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह पहल 2,500 से अधिक प्रत्यक्ष लाभार्थियों, मुख्य रूप से आदिवासी और किसान समुदायों के लिए एक स्थायी और विश्वसनीय जल स्रोत सुनिश्चित करेगी। पानी की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में सुधार करके, यह परियोजना पानी की कमी को कम करने, स्वास्थ्य में सुधार करने, कृषि उपज बढ़ाने और पानी संग्रह के दैनिक बोझ को कम करने में मदद करेगी। इस परियोजना का उद्घाटन ग्रुप लग्रों इंडिया की वीपी - सीएसआर (श्ढ- उरफ) अबिदा अनीज ने ग्रामीणों की उपस्थिति में किया तथा ग्रुप लग्रों इंडिया के कर्मचारी भी इसमें शामिल हुए। ग्रुप लग्रों इंडिया अभिनव और सस्टेनेबल समाधानों के माध्यम से अपने समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रतिबद्ध है। इस परियोजना के बारे में बात करते हुए, ग्रुप लग्रों इंडिया के वीपी - सीएसआर (श्ढ- उरफ) अबिदा अनीज ने कहा , ॹलग्रों में, हम महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने की अपनी ज़िम्मेदारी को समझते हैं। पानी मिलना एक मौलिक अधिकार है, और इस परियोजना के माध्यम से, हमारा लक्ष्य बढ़ते संकट का एक स्थायी समाधान प्रदान करना है। उन्नत तकनीक और सामुदायिक भागीदारी का लाभ उठाकर, हम पानी की पहुँच में सुधार कर रहे हैं और बेहतर भविष्य के लिए स्थानीय समुदायों को जीवन रेखा प्रदान कर उन्हें सशक्त बना रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी के प्रयास से मुलुंड में इंदिरा गांधी चौक का हुआ नामकरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वैशाली नगर के विकास की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता श्री राकेश शेट्टी ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सहयोग से एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस पहल के तहत घाटकोपर-वैशाली नगर की एक प्रमुख सड़क का नाम देश की पहली महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के नाम पर ह्इंदिरा गांधी चौकह्न रखा गया है। यह नामकरण इंदिरा गांधी के योगदान और क्षेत्र के ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक होगा। श्री राकेश शेट्टी ने इटठ के महापौर, वार्ड अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को इस पहल को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय समुदाय को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र का विकास होगा। चौक के रखरखाव और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। स्थानीय नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने और चौक के सही उपयोग का अनुरोध किया गया है।

स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया ने भारत में 5,00,000 इंजन का उत्पादन कर उपलब्धि हासिल की

मुंबई। स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने पुणे स्थित अत्याधुनिक चाकन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 5,00,000 इंजनों का उत्पादन कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सभी इंजन स्थानीय स्तर पर बनाए गए हैं। यह उपलब्धि न केवल समूह की निर्माण क्षमताओं को दर्शाती है, बल्कि ह्यमेक इन इंडियाह्न पहल के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को भी मजबूती देती है। इस प्लांट में तैयार किए गए पावरट्रेन सॉल्युशन न केवल घरेलू बल्कि वैश्विक बाजारों में भी सप्लाई हो रहे हैं। यह उपलब्धि भारत को फोक्सवैगन समूह के लिए एक प्रमुख निर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में और भी सशक्त बनाती है। सतत निर्माण और तकनीकी प्रगति पर जोर देते हुए चाकन प्लांट समूह की वैश्विक रणनीति में महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है।

इस उपलब्धि पर स्कोडा ऑटो ए.एस. के बोर्ड मेंबर (प्रोडक्शन एवं लॉजिस्टिक्स) आंद्रेयास डिक ने कहा,पुणे प्लांट में 5,00,000 इंजन का उत्पादन भारत की हमारी वैश्विक निर्माण रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। हमने टेक्नोलॉजी और वर्कफोर्स डेवलपमेंट में निरंतर निवेश किया है, जिससे हमारे उत्पादन की गुणवत्ता और कॉस्ट-इफेक्टिवनेस में सुधार हुआ है। भारत की एडवांस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम और स्किल्ड वर्कफोर्स हाई-क्वालिटी, प्रभावशाली पॉवरट्रेन सॉल्युशन की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह उपलब्धि भारत की समूह के अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशंस और भविष्य की वृद्धि को सपोर्ट करने की क्षमताओं में हमारे विश्वास को और मजबूत करती है।

स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ पीयूष अरोड़ा ने कहा, ॹयह उपलब्धि पावरट्रेन मैन्युफैक्चरिंग में लोकलाइजेशन और इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। 2014 से हमने एक मजबूत नींव बनाई है और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप विश्वस्तरीय इंजन विकसित किए हैं। हमारे ह्यमेड-इन-इंडियाह्न इंजनों में उच्च स्तर का लोकलाइजेशन है, जो भारतीय ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई इकोसिस्टम को सशक्त बनाने पर हमारे समूह के फोकस को दशार्ता है। हम अपनी क्षमताओं को और बढ़ाने और भारत को विश्वस्तरीय ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के लिए निवेश करना जारी रखेंगे।

राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाबोधि विहार पर ब्राह्मणों का कब्जा है और हमारी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है. हमारे आंदोलन को भी किनारे लगाने की कोशिश की जा रही है. उक्त बातें राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले ने कही. हम महाबोधि विहार को गैर-बौद्ध वर्ग के नियंत्रण से मुक्त कराना चाहते हैं. बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक बिहार के बोधगया में महाबोधि मंदिर है. हम महाबोधि विहार को ब्राह्मणों और गैर-बौद्ध वर्ग के नियंत्रण से मुक्त करने की मांग को लेकर हमारा आंदोलन जारी है. यह सिर्फ एक विहार का सवाल नहीं है, यह हमारी पहचान और गौरव का सवाल है. हम शांति से अपनी मांग रख रहे हैं.

जब तक हमें केंद्र सरकार व बिहार सरकार की तरफ से कोई लिखित आश्वासन नहीं मिलता, मुंबई सहित देश भर के बौद्ध समाज प्रदर्शन अनिश्चितकाल तक जारी रखेगा. जिस तरह से अन्य वर्ग के धार्मिक स्थल उसी समाज के ताबे में होता है. उसी तरह से बौद्ध धर्म के तीर्थ स्थलों को बौद्धों के ताबे में ही देना चाहिए.

श्री रामलीला उत्सव समिति पार्क साइट द्वारा होली स्नेह सम्मेलन संपन्न

आदेश मिश्र

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्क साइट द्वारा आयोजित विगत 58 वर्षो से धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी श्री रामलीला उत्सव समिति के प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल के संयोजन मे समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल की अध्यक्षता मे 16मार्च दिन रविवार को छत्रपति श्री शिवाजी महाराज मैदान पार्कसाईट विक्रोली में हर वर्ष की भाँति इस 59वें वर्ष भी भोजपुरी फिल्मी दुनियाँ के सुप्रसिद्ध गायक सुरेश शुक्ला की टीम के द्वारा होली के शुभ अवसर पर फगुआ, बेलवईया, भोजपुरी लोक गीत का रंगा रंग कार्यक्रम और गायक लालजी यादव, विजय पाल एवं गायिका ज्योति सिंह द्वारा विरहा का जंगी मुकाबला का भी कार्यक्रम किया गया है। कार्यक्रम में गुलाब के

फूलों से होली खेली गयी कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर उपस्थित मुंबई जीएसटी कमिश्नर अखिलेश पाण्डेय,मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष व सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, प्रो. शुशील पाण्डेय, इंडिया टूडे न्यूज हेड चीफ आशीष मिश्रा, सांसद संजय दीना पाटिल की लड़की राजोल संजय पाटिल, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली,रेलवे अधिकारी अजय मिश्र, मुंबई कांग्रेस सचिव रामगोविंद यादव, शिव सेना (उद्धव गुट) घाटकोपर उप विभाग प्रमुख सुनील सयाजी मोरे,समाज सेवी अरुण मिश्र, पत्रकार दयाशंकर पाण्डेय,अविनाश पाण्डेय, आशीष तिवारी, कमलेश मिश्र, पवन पाठक, दिनेश शर्मा, नरेन्द्र उपाध्याय, विजय मिश्र, अनिल मिश्र सहित मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के द्वारा राम नामी शाल पुष्प गुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, कोषाध्यक्ष एस पी सिंह,एसईओ आदेश मिश्र, रामबिलास पाठक,आई पी पाण्डेय, सर्वदेव पाण्डेय, राजकुमार तिवारी, बाबुलनाथ तिवारी, मनिकेश तिवारी, राजेश सिंह,बृजेश शुक्ल, अनिल सिंह, दिनेश सिंह, अरविंद शुक्ल,रत्नेश शुक्ल, सुनील आर सिंह,चंद्रमणि सिंह, चंद्रेश दुबे, संतोष पाठक, राजन सिंह, ब्रम्हदेव दुबे, भोलानाथ मिश्र, प्रदीप मिश्र, प्रिंस जैन, अशोक गुप्ता, तपस्वी चौरसिया, राजेश पाण्डेय, आदेश कुमार मिश्र, संजय मिश्र, सुरेश पाण्डेय, विजय गुप्ता सहित समिति के अन्य लोग मौजूद थे।

मयूर पाटील द्वारा मेडीकल शिविर का आयोजन

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण के टिटवाला बल्यानी में पूर्व नगर सेवक मयूर पाटील द्वारा भब्य मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर में हजारों की संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर लाभ लिया। महाराष्ट्र के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जा रही है। राज्यभर में शिवाजी महाराज की जयंती का उत्साह देखने को मिल रहा है। जगह-जगह विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भरमार है। इसी कड़ी में टिटवाला के बल्याणी में प्रतिवर्ष की भांति पूर्व नगरसेवक व कृषि उतपन्न बाजार

समिति के संचालक मयूर पाटिल द्वारा महा आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में स्त्रीरोग, त्वचारोग,दंत चिकित्सा, ब्लडप्रेशर,हड्डियों से जुड़ी समस्या व अन्य बीमारियों का उपचार करने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद थी। जांच के बाद मरीजों को मुफ्त औषधि प्रदान की गई। बल्याणी की जरूरत मंद जनता को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देने के इरादे से मयूर पाटील ने इस महा आरोग्य शिविर का आयोजन किया। हजारों नागरिकों ने निःशुल्क औषधोपचार का लाभ उठाया।

रोटरी क्लब द्वारा डॉ स. दा. वर्तक विद्यालय में रोटरी इनोवेटिव लैब व कैरियर लर्निंग फाउंडेशन सेंटर स्थापित

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पश्चिम में स्थित डॉ. स. दा. वर्तक विद्यालय में ॹरोटरी इनोवेटिव लैबोरेटरी एवं कैरियर लर्निंग फाउंडेशन सेंटर ॹ (जिसमें नए विचारों और नई तकनीकी का विकास और परीक्षण किया जाता है) रोटरी क्लब ऑफ बम्बई द्वारा प्रेसिडेंट रोटेरियन सत्यन इसरानी के सौजन्य से मुख्य अतिथि और दानदाता रोटेरियन योगेश महनसरीया द्वारा वशिष्ठ अतिथि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन संदीप अगरवाला की उपस्थिति में उपरोक्त प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर तथा क्लब के पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन राकेश मिश्रा के अथक प्रयास से इस प्रयोगशाला की स्थापना संभव हो सकी। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ नंदकुमार वर्तक ने सभी अतिथियों का अभूतपूर्व रंगारंग ढोल व तासे के साथ स्वागत किया। साथ ही विधालय से प्रशासनिक अधिकारीगण डॉ. सूर्यकांत संखे वाइस प्रेसिडेंट, प्राचार्य डेरिल डिमेलो, चन्द्रशेखर मोहते, अविनाश चूरी के अलावा अन्य अध्यापकगण व बड़ी संख्या

में छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में रोटरी क्लब ऑफ बम्बई से प्रोजेक्ट प्रभारी रो. अभिषेक व विनीत भटनागर, रो. अखिल सांघी, रो. उदय संघाणी, और रो. अनिरुद्ध चौधरी तथा रोटरी क्लब ऑफ बोईसर, तारापुर, पालघर, उमरोली, मरोली, मनोर हाइवे, से प्रेसिडेंट और भारी संख्या में पदाधिकारीगण, रोटेरियन उपस्थित थे।

बतादें कि यह प्रयोगशाला डॉ स. दा. वर्तक विद्यालय में स्थापित अवश्य हुई है मगर इस प्रयोगशाला का लाभ सभी सरकारी, गैर सरकारी, आश्रमशाला के छात्रों के लिए भी यह सुविधा प्रदान की गई है जिससे कि सभी विद्यालय के छात्र इस वैज्ञानिक प्रयोगशाला की सोच का लाभ प्राप्त कर सके। इस प्रयोगशाला की स्थापना शिक्षा क्षेत्र में एक अदभुत क्रांतिकारी कदम है।

परियोजना को सफल बनाने में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन राकेश मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के प्रेसिडेंट रोटेरियन विलास शहापुरे ने अभूतपूर्व आयोजन के आयोजकों तथा समारोह में आए सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया तथा सभी उपस्थित जनों से स्वादिष्ट व्यंजन ग्रहण करने की अपील के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

कम दबाव और दूषित पानी से परेशान खडेगोलवली के नागरिक

पूर्व उपमहापौर विक्रम तरे ने दी धरना आंदोलन की चेतावनी

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व में खडेगोलवली परिसर के नागरिक बीते 15 दिनों से पानी की समस्या से परेशान है। पूर्व उपमहापौर विक्रम तरे के नेतृत्व में खडेगोलवली के नागरिकों ने मनपा अधिकारियों से पानी समस्या को लेकर जवाब मांगा और आंदोलन करने की चेतावनी दी। जानकारी के मुताबिक खडेगोलवली स्थित मनपा वार्ड क्रमांक 95 में बीते कई दिनों से कम दबाव से पानी की आपूर्ति हो रही है। जिसके चलते आम नागरिकों को भीषण पानी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कम दबाव के साथ ही नाली के दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। इस विषय में स्थानिक नागरिकों ने वार्ड क्रमांक 95

के पूर्व नगरसेवक विक्रम तरे से संपर्क किया।

लोगों की समस्या सुनने के बाद विक्रम तरे की अगुवाई में स्थानिक नागरिक मनपा का विरोध करने के लिए पानी टंकी के पास इकट्ठा हुए। इस दौरान विक्रम तरे ने कम दबाव और तो और दूषित पानी की आपूर्ति को लेकर अधिकारियों से सवाल किया कि, जो गंदी पानी लोगों को मिल रहा है वही पानी अधिकारी पी सकते हैं क्या?। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही प्रशासन की लोगों की पानी समस्या का हल नहीं निकाला तो ड वार्ड कार्यालय के बाहर धरना आंदोलन किया जाएगा।

पालघर जिले में 58 हजार महिलाएं बनी लखपति

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं ने ॹलखपति दीदीॹ अभियान के माध्यम से एक अलग पहचान बनाई है। अपनी खुद की कड़ी मेहनत पर वित्तीय स्वावलंबन के रास्ते की तलाश करते हुए 58 हजार 662 महिलाओं ने ॹलखपतिॹ के पायदान को पार कर लिया है। कृषि व्यवसाय, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, छोटे व्यवसाय और सेवाओं के क्षेत्र में महिलाओं की उद्यमशीलता बह रही है, और उनकी प्रति महीने औसत कमाई लगभग 9 हजार रूपए से 10 हजार रूपए तक पहुंच गई है। राज्य में ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं की आर्थिक प्रगति के लिए ॹलखपति दीदीॹ योजना शुरू की गई थी।पालघर जिले में 73 हजार 255 महिलाओं को इस अभियान में शामिल करने लक्ष्य रखा गया था। उनमें से मोखाडा, जव्हार, दहानु, वसई, विक्रमगढ़, वाडा, तलासरी और पालघर सहित इन आठ तहसीलों में कुल 58 हजार 662 महिलाएं लखपती बन गई हैं। यह औसतन 80% सफलता मिल गई है। उक्त जानकारी जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की परियोजना संचालक डॉ. रूपाली सातपुते द्वारा दी गई है।तहसील स्तर पर महिलाओं की प्रगति का आंकड़ा निम्न है।पालघर तहसील में निर्धारित लक्ष्य 14000 महिलाओं में से 12211 महिलाएं सफल, दहानू तहसील में निर्धारित लक्ष्य 15255 में से 11547 महिलाएं सफल, तलासरी तहसील में निर्धारित लक्ष्य 8000 में से 6862 महिलाएं सफल, वाडा तहसील में निर्धारित लक्ष्य 8000 में से 6586 महिलाएं सफल, विक्रमगढ़ तहसील में निर्धारित लक्ष्य 8000 में से 6517 महिलाएं सफल, जव्हार तहसील में निर्धारित लक्ष्य 8000 में से 6037 महिलाएं सफल, मोखाड़ा तहसील में निर्धारित लक्ष्य 8000 में से 5663 महिलाएं सफल, वसई तहसील में निर्धारित लक्ष्य 4000 में से 3239 महिलाओं को लखपति दीदी बनने से सफलता मिल चुकी है। महिला सशक्तिकरण की इस यात्रा में महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के व्यवसाय स्थापित किये हैं। वे डेयरी, पोल्ट्री, खाद्य प्रसंस्करण, शिल्प, कॉटेज उद्योग और कृषि व्यवसायों से सालाना 1 लाख रुपये से अधिक कमा रही हैं। पालघर जिला प्रशासन, महिला व बाल विकास विभाग तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से बचत समूहों को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता हेतु विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराये जा रहे हैं। वहीं पालघर जिले में शेष 14 हजार 593 महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए विशेष प्रयास चल रहे हैं। लखपति दीदी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने साबित कर दिया है कि यदि संकल्प पक्का है, तो कुछ भी असंभव नहीं है।ज्ञात हो कि लखपति दीदी अभियान का उद्देश्य स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करना है जो महिलाओं को प्रति वर्ष कम से कम एक लाख रुपये आमदनी उत्पन्न करेगा। इस संबंध में पालघर जिले के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने कहा किॹलखपति दीदी अभियान ने जिले में हजारों महिलाओं के जीवन को बदल दिया है। स्वयं-सहायता समूहों और वित्तीय सहायता की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इन महिलाओं ने अपना व्यवसाय स्थापित किया है। जिससे उन सभी महिलाओं के जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

गरीब व पीड़ित व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर न्याय दिलाया जाए: डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में केराकत में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र की

अध्यक्षता में विकास खण्ड केराकत के सभागार कक्ष में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों के समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का निस्तारण करते हुए गरीब व पीड़ित व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर न्याय दिलाया जाए। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से होना चाहिए। इस दौरान कुल 142 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 14 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है। इसलिए सभी अधिकारी रूचि लेकर गुणवत्तायुक्त ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी केराकत सुनील कुमार, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डांस सीखने गई छात्रा के साथ टीचर ने किया दुष्कर्म का प्रयास, बेबस परिजन ने लिया पुलिस का सहारा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। शिवपुर थाना क्षेत्र की कक्षा 6 की छात्रा अशोक पुरम कॉलोनी में डांस सीखने जाती थी। छात्रा का कहना है 15 मार्च की शाम डांस टीचर ने डांस सिखाने के बहाने अपने घर बुलाया और जोर जबरदस्ती करने लगा और दुष्कर्म का प्रयास किया। छात्रा जब घर पहुंची तो मां को घटना की सारी बात बताई। फिर मां ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, परिजनों का रो-रो कर बुरा हुआ हाल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना चौबेपुर के राजवारी पुल के पास

सिधौना बाजार से घर लौट रहे अरविंद निषाद(37)वर्षीय युवक की पैसेंजर ट्रेन के चपेट में आ जाने से हुई दर्दनाक मौत। अरविंद निषाद मुंबई में प्राइवेट नौकरी करता था होली पर्व पर त्योहार मनाने घर पर आया हुआ था। रविवार सुबह वह किसी काम से सिंधौरा बाजार गया था जहां से वापस घर आते समय यह दर्दनाक घटना घट गई। मृतक के परिवार में पत्नी और उसकी दो बेटियां हैं रिया निषाद, (12)वर्ष व प्रिया निषाद (8)वर्ष। अरविंद के तीन भाई थे और वह बीच के थे। उनकी दो बहने भी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिवारजनों का रो रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही चौबेपुर थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा, कैथी चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

शिक्षा के क्षेत्र में आगे आये मंसूरी समाजः डा.आरिफ

मोहम्मद कैफ शेख मंसूरी का सीजीएल में चयन, समाज मे खुशी की लहर

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक मेहनत कश किसान जो हाड़तोड़ मेहनत करके धरते से सोना(फसल) उगाता है और उसका पुत्र किसी मुकाम पर पहुंच जाएं तो लोगों को काफी खुशी मिलती है। अगर किसान पिछड़े वर्ग से तो और वह समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत हो जाता है। उक्त बातें पूर्वांचल मंसूरी समाज के संस्थापक एआईएमएस के मंडल प्रभारी डाक्टर आरिफ नदीम मंसूरी ने क्षेत्र के ग्राम गोल्हागौर बीबीगंज निवासी मोहम्मद कैफ शेख मंसूरी के एसएससी, सीजीएल में चयन होने पर उनके आवास पर पहुंचे और प्रेस प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान कहीं। श्री मंसूरी ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए गुलदस्ता भेंट किया और उज्ज्वल भविष्य की

कामना की।मोहम्मद कैफ के चयन की होने की जानकारी पर आल इंडिया मंसूरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए सोशल मीडिया के प्लेटफार्म एक्स पर बधाई और शुभकामनाएं पोस्ट की। बताते चले ग्राम गोल्हागौर निवासी कैफ शेख मंसूरी पुत्र मोहम्मद अरमान शेख मंसूरी जो एक किसान है। अपनी हाड़तोड़ मेहनत और बच्चे की लगन ने कठोर परिश्रम करके यह मुकाम हासिल किया।जिससे पूरे क्षेत्र में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। उक्त मौके पर शारिक अहसन मंसूरी, मुफ़्ती अबु होजेफा कासमी, हाफिज अशहर, मजीद इकराम, फैजान, मुराद मंसूरी, अनवर मंसूरी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खुटहन में भट्ठे की युवती का शव पेड़ से लटका मिला

जौनपुर(उत्तरशक्तों)। जिले के खुटहन थाना क्षेत्र के अशरफगढ गांव में संचालित एक ईंट भट्ठा पर काम करने वाली युवती का शव सोमवार को भट्ठा के बगल बाग में एक पेड की डाल से ओढनी के फंदे में लटकता पाये जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पेस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की माता ने बताया कि सुबह किसी बात को लेकर उसे फटकार लगाई थी। जिससे नाराज बेटी ने आत्मघाती कदम उठा लिया। बताया गया कि सीतापुर जिले के एक गांव निवासी राम मिलन अपनी पत्नी व बच्चों के साथ ईंट भट्ठा पर काम करते हैं। उनकी 19 वषीर्या पुत्री शिवानी भी ईंट पथाई करती थी। सोमवार की भोर किसी बात को लेकर शिवानी और उसकी मां के बीच कहासुनी होने लगी। मां ने उसे बुरी रतह से फटकार लगाई जिससे नाराज होकर शिवानी ने भट्ठे के बगल बाग में एक पेड़ पर ओढनी का फंदा बनाकर लटक गई। सुबह कुछ ग्रामीण उधर शौच को गये थे। फंदे पर लटकता शव देख शोर मचाने लगे। घटनास्थल पर पहुंचे परिवार के लोगों ने उसकी शिनाख्त कर फफक कर रो पड़े।

घरेलू विवाद के चलते युवती फांसी पर झूली

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कडैला गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन में जुट गई। बताते है कि उक्त गांव के पुष्कर बिंद की 25 वशीर्या पत्नी सीमा बिन्द ने घरेलू विवाद के चलते अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सीमा का मायका खेतासराय थाना क्षेत्र के मारूफपुर गांव में था। उसकी शादी पुष्कर बिंद से हुई थी।जिससे उसका चार वर्षीय पुत्र अतिक्षय भी है। पारिवारिक अनबन के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के समय उसका पति मजदूरी के लिए घर से बाहर था। रविवार शाम सीमा ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। जब काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो परिजनों को संदेह हुआ। दरवाजा तोड़ने पर वह दुपट्टे के सहारे लटकी मिली। परिवार वालों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची सरायख्वाजा पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में ले कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में सरायख्वाजा थाना प्रभारी ने बताया। महिला ने अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जो भी तहरीर प्राप्त होगी, उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जाएगी।

दो बच्चों की मां ने फांसी लगाकर दी जान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। चिरईगांव चौबेपुर थानांतर्गत ग्राम पंचायत उकथी निवासिनी गुड़िया 24 वर्ष पत्नी बिनोद राम ने सोमवार को सुबह 7 बजे अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। मिली जानकारी के अनुसार पति बिनोद सुबह नाश्ता के उपरान्त अपना ऑटो लेकर शहर चला गया। मडुआडीह पहुंचने पर परिजनो ने सूचना दिया की तुम्हारी पत्नी की बहुत तबीयत खराब है जल्दी घर आ जाइए। घर पंहुचा तो पत्नी गुड़िया की हालत देखकर आवाक रह गया। पत्नी को लेकर अस्पताल ले गया लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की पांच वर्षीया पुत्री शिवांगी बता रही है कि मां बेड पर टेबल रख कर एक साड़ी पंखे में फंसाकर गर्दन में लगाकर झूलने लगी। मौके पर ही तीन वर्षीय विक्रम भी घटना स्थल पर ही था। आस पास वालों को जानकारी हुई तो आनन फानन में उसे पंखे से उतारकर जमीन रख दिया और उसके पति के आने का इंतजार करने लगी। पति मौके पहुंचकर अस्पताल ले गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पति मृतका के मायके वालों को सूचना देकर अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगा। मायके वालों ने पुलिस को सूचना देकर शव को दरवाजे पर ही रोक दिया। थोड़ी देर बाद थाना प्रभारी चौबेपुर जगदीश कुशवाहा, चौंकी प्रभारी लल्लन यादव हमराहियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। इसके अलावा फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की।

समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश सचिव बने साहब लाल गौतम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर

एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के सहमति पर जौनपुर जिले के करंजाकला ब्लाक के निवासी साहब लाल गौतम को प्रदेश सचिव समाजवादी मजदूर सभा नियुक्त किया गया है। यह मनोनयन समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश अध्यक्ष धनीलाल श्रमिक ने किया है। समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के दर्जनों पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गौतम के आवास पर जाकर उनका माल्यार्पण किया और एक दूसरें को लड्डू खिला कर खुशी जाहिर किया। इस अवसर पर अमित यादव ने कहा कि श्री गौतम के नेतृत्व में आने वाले समय में समाजवादी मजदूर सभा और मजबूत होगी और वह पूरी ऊर्जा के साथ समाजवादी पार्टी को शिखर पर ले जाने की भूमिका में नजर आयेंगे। आज दलित समाज पीडीए जन आंदोलन में समाजवादी पार्टी के साथ हैं। पीडीए समाज के महापुरुषों को अपमानित करना बीजेपी के उद्धअ में हैं। पीडीए जिला पंचायतों के कारण बड़ी संख्या में लोग समाजवादी विचारधारा से जुड़ रहें हैं। साथ में डॉ अजय कुमार यादव राष्ट्रीय सचिव मजदूर सभा, मंजय कन्नौजिया जिला महासचिव मजदूर सभा, दिलीप प्रजापति जिलाअध्यक्ष छात्र सभा, दीपक विश्वकर्मा, सुभाष पाल, दारा सिंह चौहान सेक्टर प्रभारी, मोहम्मद नसीम यीशू हाशमी सेक्टर पर्यवेच्छक, मिठाई लाल यादव ब्लाक उपाध्यक्ष, शिवनाथ विश्वकर्मा, सोहराब बूथ सह प्रभारी, अजय यादव जिला उपाध्यक्ष मजदूर सभा एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें। सभी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार प्रकट किया तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार अखिलेश यादव के नेतृत्व में बनाने का संकल्प लिया है।

लायंस क्लब रॉयल का होली मिलन सम्पन्न

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजसेवी संगठन लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा होली मिलन का रंगारंग संगीतमय कार्यक्रम रविवार को शाम नगर के एक लान में पूरे हर्सोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने इस मौके पर कहा यह पर्व हमें साकारात्मक सोच पैदा कर आपसी सौहार्द बढ़ाने का मौका देती है। फर्स्ट लेडी लायन रेनू बैंकर ने कहा इस पर्व को केवल रंगों से न जोड़ कर इसके पीछे छिपे उद्देश्य को जीवन में उतारना

चाहिए। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा यह आपसी गिले शिकवे दूर कर एक दूसरे को गले लगाने का पर्व है। कार्यक्रम की शुरूआत क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर व फर्स्ट लेडी लायन रेनू बैंकर ने सभी सदस्यों का होली टाइटिल सांग पढ़ कर व अबीर-गुलाल लगा कर किया तत्पश्चात मनोज सोनी कोमल एण्ड कम्पनी द्वारा जोगीरा गाकर लोगों का मनोरंजन किया गया। इसके पश्चात क्लब की महिलाओं, पुरूषों एवं बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अनेक सामूहिक, एकल व कपल नृत्य कर मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम संयोजक आशीष प्रियंका गुप्ता, रूपेश प्रगति कशौधन, अभिताश एकता गुप्ता, आशीष दीपशिखा चौरसिया,यश बैंकर ने गुलाब पुष्प की वर्षा कर बृज की होली का आनंद दिलाते हुए सभी को गीत, संगीत पर झूमने को मजबूर कर दिया! क्लब सचिव अजय पूजा सोनकर व कोषाध्यक्ष राजेश किशोर अंशू श्रीवास्तव ने सभी को आनन्दित तरीके से होली मनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन अभिताश गुप्ता एवं गोपाल जी साहू ने किया।

इस अवसर पर लायंस डिप्टी गवर्नर मनीष गुप्ता, विष्णु सहाय, प्रीति गुप्ता, पियूष प्रियंका गुप्ता, संजीव विभा साहू, राकेश प्रियंका राजपुरोहित, राजेन्द्र रीतू सेठ, बालकृष्ण कविता साहू, रसाल निहारिका बरनवाल, शशि सोनी गुप्ता, विक्रम बबली चौरसिया, विनीत गुप्ता, शम्भूनाथ सोनी, राजेश अग्रहरि, अजयनाथ, श्रद्धा जायसवाल, सन्तोष नीतू अग्रहरि, आनंद श्वेता साहू, नवीन शिल्पी साहू, रवि गुप्ता, विवेक गुप्ता, संदीप सेठी, प्रदीप प्रधान, अनिता गौड़, विनय साहू, राकेश साहू, ज्ञानेंद्र साहू, अभिषेक जायसवाल, अभिषेक बैंकर, सोना अश्विनी बैंकर, मधुरानी, अमित गुप्ता, नित्यानंद गुप्ता, अजय मोदनवाल, ऋषि श्रीवास्तव, रवि शर्मा,मनोज साहू, राजकुमार कश्यप, इशांत गुप्ता, विनोद गुंजन अग्रहरि, बृजेश प्रियंका विश्वकर्मा, जितेंद्र सोनी, योगेश साहू, डा.हृदय मोहन कल्पना केसरवानी, धर्मेन्द्र सेठ, धर्मेन्द्र साहू, डा.राजेश मौर्य, नवीन मिश्रा, सचिन सोनी, विजय गुप्ता, शशांक जायसवाल सहित अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

बदलापुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में शैलेन्द्र कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर देवेश सिंह के कुशल पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय के कुशल संचालन मे विशेष अभियान चलाकर दिनांक 16.03.2025 को थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 109/25 धारा-109/351(2)/352 भा0न्या0सं0 में वाँछित आरोपी अश्वनी सिंह उर्फ निशू सिंह पुत्र सुरेश सिंह निवासी रूपचन्द्रपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त 01 खोखा कारतूस बरामद करते हुए मुखबिर खास की सूचना पर आज दिनांक-17.03.2025 को ऊदपुर गेल्हवा के पास

गिरफ्तार कर हिरासत पुलिस में लिया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सिंगरामऊ पुलिस ने चोरी के सामान के साथ शातिर चोर को किया गिरफ्तार

सिंगरामऊ जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक गजानन्द चौबे के नेतृत्व में आज दिनांक-17.03.2025 को उ0नि0 सिंघासन यादव मय हमराह पुलिस टीम के

संदीग्ध व्यक्ति एव वाहनों की चेकिंग में मामुर थे कि मुखबिर खास की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुये बहरा पार्क के पास डेयरी वाले रास्ते से आरोपी अशोक कुमार राव पुत्र राकेश राव निवासी ग्राम कवेली थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद शुदा माल के सम्बन्ध में पूछने पर बताया कि दिनांक-14.03.2025 की रात को मेरे द्वारा लक्ष्मी नारायण मन्दिर के सामने बेल्डिंग की दुकान सिंगरामऊ कवेली से चोरी किये था जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 36/25 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है। आरोपी उपरोक्त को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

विश्वनाथ जी में दर्शनार्थियों के लिए मैट बिछवाने के साथ ठंडे पानी का हो रहा है छिड़काव

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में चैत्र की शुरूआत के साथ ही धूप की तल्खी भी बढ़ने लगी है। श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं को धूप और गर्मी से बचाने के लिए इंतजाम शुरू कर दिए गए हैं। मंदिर न्यास की ओर से श्रद्धालुओं के पांव को जलने से बचाने के लिए मैट बिछवाने के साथ ही ठंडे पानी का छिड़काव

भी शुरू करा दिया है। धाम में आने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत करने के साथ ही उनकी सहूलियत के प्रबंध मंदिर न्यास की तरफ से किया जा रहा है। धूप के कारण श्रद्धालुओं को दर्शन करने में असहजता न हो इसके लिए मंदिर प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किया है। चैत्र नवरात्र आने से पहले ही तीखी धूप ने श्रद्धालुओं को बेचैन करना शुरू कर दिया है। मंदिर के फर्श पर श्रद्धालुओं के पांव न जले, इसके लिए मंदिर प्रशासन मैट बिछवाने के साथ ही ठंडे पानी का छिड़काव कर रहा है। मंदिर के अंदर और बाहर पानी की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं की प्यास बुझाई जा सके। इसके अलावा, मंदिर के आसपास के क्षेत्र में भी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने कहा, हमारा उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुविधाजनक और सुरक्षित दर्शन का अनुभव प्रदान करना है। हमने इसके लिए विशेष व्यवस्था की है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

जफराबाद नगर पंचायत में मनमानी ढंग से कार्य करने को लेकर भड़के सभासद

सभासदों ने मनमानी ढंग से काम कराने का लगाया आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के नगर पंचायत जाफराबाद मे सभासदों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पंचायत में पुरी तरह से मनमानी ढंग से कार्य कराया जा रहा है।तथा भ्रष्टाचार भारी पैमाने पर व्याप्त है।और जब किसी भी

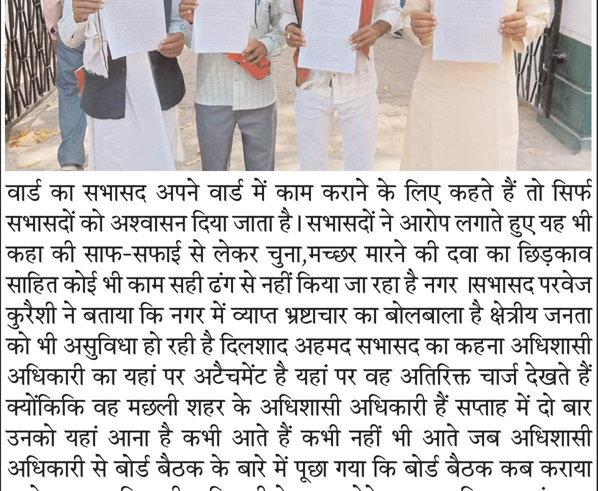

वार्ड का सभासद अपने वार्ड में काम कराने के लिए कहते हैं तो सिर्फ सभासदों को अश्वासन दिया जाता है। सभासदों ने आरोप लगाते हुए यह भी कहा की साफ-सफाई से लेकर चुना,मच्छर मारने की दवा का छिड़काव साहित कोई भी काम सही ढंग से नहीं किया जा रहा है नगर ।सभासद परवेज कुरैशी ने बताया कि नगर में व्याप्त भ्रष्टाचार का बोलबाला है क्षेत्रीय जनता को भी असुविधा हो रही है दिलशाद अहमद सभासद का कहना अधिशासी अधिकारी का यहां पर अटैचमेंट है यहां पर वह अतिरिक्त चार्ज देखते हैं क्योंकिकि वह मछली शहर के अधिशासी अधिकारी हैं सप्ताह में दो बार उनको यहां आना है कभी आते हैं कभी नहीं भी आते जब अधिशासी अधिकारी से बोर्ड बैठक के बारे में पूछा गया कि बोर्ड बैठक कब कराया जायेगा तब अधिशासी अधिकारी ने जवाब देते हुए कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष जब चाहेंगे तब बोर्ड बैठक होगा सभासदों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत कार्यालय में कुछ ऐसे तत्व की नियुक्ति कर दी गई है जो हमेशा हमादा फौजारी रहते हैं हम लोगों का कार्यालय में जाना भी दुश्वार हो गया है जिलाधिकारी को पत्र देने पहुंचे सभासदों में दिलशाद अहमद परवेज कुरैशी शाह नियाज आलम विनोद प्रजापति सहित लोग उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने कहा कि कलेक्ट्रेट में इसी प्रकार परम्परागत तरीके से पुष्प के साथ होली खेली जाती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पुष्प सुंदर है यदि हम सब मिलकर कार्य करेंगे तो हमारा मन भी उसके समान ही सुंदर होगा। उन्होंने सभी से कहा कि हम सभी एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। जिलाधिकारी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को अच्छे ढंग से क्रियान्वित करें।पात्र लाभार्थियों के जीवन में पुष्प के भांति ही खुशियां और आनंद लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हम लोगों के पास लोग बहुत ही आशा और उम्मीद के साथ आते हैं। होली के इस पावन अवसर पर हम सब संकल्प ले कि जो भी फरियादी हमारे पास आते हैं उनकी शिकायत को पूरी गंभीरता से सुने और शीघ्र अतिशीघ्र उनकी समस्याओं का निस्तारण करें।उन्होंने बताया कि

बेसिक शिक्षा विभाग के निपुण कार्यक्रम के तहत जनपद को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है जिसके लिए उन्होंने बेसिक शिक्षा परिवार के अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि जनपद के कई विद्यालयों में जाने का अवसर प्राप्त हुआ है, विद्यालयों में कायाकल्प का कार्य केवल पेंटिंग तक ही सीमित नहीं रहा है अपितु जनपद के बेसिक शिक्षा परिवार ने बच्चों के मनोभाव का भी कायाकल्प किया है। मुख्यमंत्री के समक्ष दीपिका विश्वकर्मा के द्वारा रश्मिरथी के पाठ की प्रस्तुत की गई थी जिसकी प्रशंसा मुख्यमंत्री के द्वारा आशीर्वाद देते हुए किया गया था। मुख्यमंत्री ने छात्रा दीपिका विश्वकर्मा के माध्यम से सभी बच्चियों को शिक्षा, स्वावलंबन इत्यादि क्षेत्रो में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। जिलाधिकारी ने कहा कि विभिन्न विभागों के द्वारा भी विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। गायक रविन्द्र सिंह ''ज्योति'', राहुल चन्द्रा, सलमान एण्ड पार्टी के द्वारा विभिन्न होली के पारम्परिक गीत प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, उप जिलाधिकारी सदर, विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

युवा उद्योगपति दुर्गेश सिंह का निधन उद्योग व्यापार जगत की अपूर्णीय क्षतिः इंदु सिंह

◆ ज़िला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने जताया शोक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह के छोटे सुपुत्र एवं शाहगंज के विधायक रमेश सिंह के अनुज युवा उद्योगपति दुर्गेश सिंह के हृदयगति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो जाना अत्यंत दुखद है। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिवार वालों को सहनशीलता प्रदान करें। उक्त बातें उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं

जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने अपना गहरा शोक व्यक्त करते हुए कही है। जिलाध्यक्ष इंदु सिंह ने कहा कि दुर्गेश सिंह जी का निधन जौनपुर से लेकर मुंबई उद्योग व्यापार जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है। ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने कहा कि दुख की इस घड़ी में व्यापार मंडल जौनपुर शोक संतप्त परिवार के साथ है। प्रेस के माध्यम से शोक व्यक्त करने वालों में ज़िला कोषाध्यक्ष उमेशचंद गुप्त, नगर अध्यक्ष घनश्याम साहू, नगर कोषाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार साहू, महामंत्री आलोक रंजन सिन्हा आदि ने दुर्गेश सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। इस आशय की जानकारी ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने दी है।

50 कृषकों का दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु बहराइच रवाना

कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर से सोमवार को जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा जनपद के 50 उन्नति शील कृषकों के दल को भ्रमण हेतु बहराइच के लिए हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जनपद के किसानों को खेती की उन्नति शील तकनीकियों को सीखने के लिए किसानों का दल शैक्षिणिक भ्रमण हेतु उप परियोजना निदेशक (आत्मा) डा. रमेश चन्द्र यादव के नेतृत्व में रवाना हुआ। जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने बताया कि बहराइच में इन किसानों को फूलों की खेती, स्ट्रावेरी, ड्रेगन फ्रूट्स की खेती, हल्दी उत्पादन एवं प्रोसेसिंग, मत्स्य पालन, शहद उत्पादन एवं प्रोसेसिंग की उन्नति शील तकनीकी को सीखकर अपने खेतों पर करेंगे जिससे जनपद के किसानों की आय बढ़ेगी। इस मौके पर भू-राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ, उपजिलाधिकारी सदर एवं केराकत, जिला उद्यान अधिकारी, उप परियोजना निदेशक आत्मा कृषि प्रसार डा. रमेश चंद्र यादव सहित एक्सपोजर विजिट वाले 50 कृषक मौजूद रहें।

होली स्नेह सम्मेलन व कवि सम्मेलन सम्पन्न

मुंबई। नवलगढ़ नागरिक संघ मुंबई की तरफ से घुड़मल बजाज सभागृह मालाड पश्चिम मुंबई में वार्षिकोत्सव व होली स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें नवलगढ़ के तमाम महत्वपूर्ण लोग उपस्थित हुए। अध्यक्ष रामप्रकाश बूबना ने कहा कि होली हम सबको एकता का पाठ पढ़ाती है,यह किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। सांस्कृतिक समिति के प्रमुख विनोद पोद्दार ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया ।संस्था के सचिव प्रमोद बगड़िया, व्यवस्था प्रमुख श्रीमती शारदा बूबना, विनोद पोद्दार, कमल पोद्दार और सुनील परसरामपुरिया के नेतृत्व व हास्य कवि सुरेश मिश्र के संचालन में हास्य सम्राट सुरेंद्र यादवेन्द्र (कोटा), लाफ्टर चैंपियन गौरव शर्मा, कवयित्री व अभिनेत्री काव्या मिश्रा, श्रीमती शारदा बूबना व राना तबस्सुम ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को लोट पोट कर दिया। श्रोताओं से खचाखच भरे सभागार में सुनील कुमार जीवराजका, विजय कुमार अग्रवाल, दिनदयाल मुरारका, राजेन्द्र कुमार तुलस्यान, श्रीमती आशा पोद्दार, दीनदयाल अग्रवाल,नरेश खेतान व डा.अनिल सांगानेरिया सहित प्रबंध समिति के सदस्य व भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। अंत में विनोद पोद्दार ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

दहिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हुआ विशेष आयोजन

दहिसर, मुंबई। महाराष्ट्र के आराध्य दैवत छत्रपति श्री शिवाजी महाराज की जयंती (तिथिनुसार) निमित्त भारतीय जनता पार्टी की स्थानीय इकाई द्वारा एक भव्य समारोह का आयोजन दहिसर के एन.एल. कॉम्प्लेक्स में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने छत्रपति श्री शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें मान वंदना दी और सादर नमन किया। उन्होंने इस समारोह में उपस्थित सभी शिव भक्तों को संबोधित भी किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ पूर्व नगरसेवक जगदीश ओझा, पूर्व नगरसेवक हरीश भाई छेड़ा तथा पूर्व नगरसेवक जितेंद्र पटेल सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, भारी संख्या में नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शार्ट शर्किट से लगी आग, मड़हा सहित सारा समान जलकर राख

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत विकास खण्ड क्षेत्र के नौरहिया पचवार में सोमवार को दोपहर लगभग एक बजे दिन में रिहायशी मढ़ाहा में विधुत शर्ट शर्किट से अचानक आग लग जाने से घर में रखे सामान गए लगभग एक लाख रुपया की संपत्ति जलकर राख हो गई। नौराहिया सरोज बस्ती निवासी धर्मबीर पुत्र स्वर्गीय देव राज सरोज के रिहायशी मड़हे में दोपहर लगभग 1 बजे दिन में हवा से ऊपर से गुजर रहे विद्युत तार में तेजी हवा के चलते शॉर्टसर्किट के चलते अचान अचानक आग लगने से मड़हे में विकराल रूप धारण कर लिया, आग की लपटों से आग लग गई। आग से मड़हे में रखा गेहूं चावल कपड़े बर्तन बेड आदि समेत लगभग 1, लाख की संपत्ति जलकर स्वाहा हो गया। ग्रामीणों के अथक प्रयास से किसी तरह से आग पर काबू लिया गया। मौके पर जिला पंचायत प्रतिनिधि श्रीप्रकाश सरोज (पप्पू), क्षेत्रीय लेखपाल व ग्राम प्रधान पचवर राममूर्ति सरोज,क्षेत्रीय लेखपाल व ग्राम प्रधान, भाजपा नेता डॉ. नन्द लाल सरोज पहुंचकर मौके का निरीक्षण किया।

समाजसेवी सी.पी. प्रजापति महाराष्ट्र गौरव 2025 अवार्ड से सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को मार्च को अजंता पार्टी हॉल, गोरेगांव (पश्चिम), मुंबई में दैनिक मुंबई अमरदीप अखबार के 16वें स्थापना दिवस पर एवं धडक कामगार यूनियन (supported by Dhadak kamgar union)) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी व प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.NGO राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी. प्रजापति को फाउंडर प्रेसिडेंट अभिजीत राणे धडक कामगार यूनियन महासंघ के हाथों महाराष्ट्र गौरव अवार्ड 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रजापति को महाराष्ट्र प्रजापति ने आयोजकों एवं अवार्ड चयन कमेटी का हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया है। सी पी प्रजापति को इस अवसर पर प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. के रायगड जिला सचिव इंदर प्रजापति सहित संस्था के कई सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं मान्यवर गण उपस्थित थे।

डाक्टर परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव पुष्कर के नेतृत्व में पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में आए दिन हो रहे भारतीय लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया से जुड़े लोगों पर असामाजिक व अपराधिक तत्वों द्वारा हमले से एक ओर जहां वर्तमान सरकार की छवि धूमिल हो रही है वहीं, मीडिया में असंतोष व्याप्त हुआ है। इसी कड़ी में मालूम हो कि उत्तर प्रदेश में स्थित जिला सीता पुर में प्रतिष्ठित एक अखबार के संवाददता राघवेन्द्र वाजपेई की गत दिनों असामाजिक तत्वों द्वारा उनके वाइक में टक्कर मार कर उनके शरीर को गोलियों से छलनी कर उनकी हत्या कर दी गई।

ऐसे में शासन -प्रशासन द्वारा अब तक अपेक्षित त्वरित कठोर कार्रवाई परिलक्षित नहीं हुई और मृतक आश्रितों को सांत्वना प्रदान किए जाने हेतु भी किसी भी प्रकार का कदम उठाया जाना दृष्टिगत नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान एवं मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में एक साथ सोमवार 17 मार्च को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर त्वरित कार्रवाई करने की मांग किया है। इसी कड़ी में सोमवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर जनपद इकाई सोनभद्र के जिला अध्यक्ष डॉ परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में मीडिया से जुड़े विभिन्न संगठनों से संबद्ध दो दर्जन से अधिक पत्रकारों ने जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से हत्यारे की तत्काल गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई, मृतक आश्रित को नौकरी और मुआवजा के अलावा जनपद स्तरीय पत्रकारों को आवासीय एवं पेंशन सुविधा, यात्रा और चिकित्सा संबंधी रियायती सुविधाएं, पत्रकारों के साथ उत्पीड़न पर त्वरित कार्रवाई और उनके जान -माल की सुरक्षा संरक्षा की गारंटी एवं पत्रकार भवन व सभागार निर्माण , टोल प्लाजा से होकर आने -जाने की निःशुल्क सुविधाएं प्रदान करायी जाय। इस मौके पर पत्रकारों में मुख्य रूप से संतोष कुमार नागर, ज्ञानदास कन्नौजिया, विनोद कुमार मिश्रा, बुद्धि नाथ सिंह यादव, सेराज अहमद, रामकेश यादव,अवभ मौर्या, अभिषेक कुमार, रविन्द्र कुमार, राकेश कुमार, बृजेश कुमार, अनिल कुमार, अजीत सिंह, बद्री गौतम,अमित दुबे, शिव पूजन विश्वकर्मा,उत्तम सिंह,जय नाथ मौर्या, बलवंत सिंह, विनोद कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एस व्ही फाउंडेशन द्वारा आयोजित महा होली का विशेष कार्यक्रम संपन्न

ठाणे (उत्तरशक्ति)। अनमोल स्कूल ग्राउंड वसंत विहार ठाणे पश्चिम में एस व्ही फाउंडेशन द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में महानगर के अनेक क्षेत्रों से सभी भाइयों-बहनों का आगमन हुआ। इस विशेष अवसर पर महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। श्रीमती कविता पांडेय मीरा रोड से, श्रीमती चंदा मिश्रा, नीतू मिश्रा, अंजली पांडेय ,श्रद्धा दुबे एवं समाज के सम्मानित भाइयों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाया।भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप लेते , के पी मिश्रा, वशिष्ठ नारायण मिश्रा, नालासोपारा दुबे स्टेट से दुबे जी, एस डी चौबे, अरविंद उपाध्याय ,आलोक पांडेय, उमा शंकर पांडेय, अनिल शुक्ला, विजय त्रिपाठी, सचिन दुबे, शैलेश मिश्रा, राकेश मिश्रा, संतोष तिवारी,आशीष गुलाब दुबे, राममिलन शुक्ला, बबलू मिश्रा, अरविंद गिरी, आशीष गिरी, आदित्य चौहान, शैलेश सिंह एवं जितेश गुप्ता आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। समाजसेवी रतन मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, जितेंद्र गिरी ने आए हुए सभी लोगों का यथोचित सम्मान किया तथा आभार प्रकट किया।

21 साल से न्याय का इंतजार: डॉ. आशा गोयल हत्याकांड में देरी पर परिवार ने मुख्यमंत्री से की हस्तक्षेप की मांग

मुंबई। मुंबई प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मशहूर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. आशा गोयल की निर्मम हत्याकांड के अब तक अनसुलझे मामले को उजागर किया गया। मुंबई में 22 अगस्त 2003 को हुई डॉ. आशा गोयल की निर्मम हत्या को 21 साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी भी न्याय मिलना बाकी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनकी बेटी रश्मि गोयल ने महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर इस लंबे समय से लटके मुकदमे में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। गोयल परिवार दो दशकों से न्याय की लड़ाई लड़ रहा है, लेकिन डीएनए सबूत, फॉरेंसिक रिपोर्ट और यहां तक कि अपराधी के कबूलनामे जैसे ठोस प्रमाणों के बावजूद मामला आज भी ठंडे बस्ते में पड़ा है। इस अंतहीन देरी ने परिवार को न सिर्फ मानसिक आघात दिया है, बल्कि भारत की न्याय प्रणाली की दक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रश्मि गोयल ने कहा, ₹हमने बहुत लंबा इंतजार किया है और अब हमारा धैर्य जवाब दे रहा है। मेरी माँ ने अपना जीवन दूसरों को स्वस्थ करने में समर्पित किया, लेकिन उनकी निर्मम हत्या के लिए अब तक न्याय नहीं मिल सका। हम मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे इस मामले को आगे बढ़ाने में हस्तक्षेप करें। भारत ऐसा देश नहीं हो सकता जहाँ इतने मजबूत सबूतों के बावजूद अपराधी बच निकलें।

डॉ. आशा गोयल का जन्म 1940 में मथुरा में हुआ था। उन्होंने मुंबई में मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद कनाडा में अपनी एक अलग पहचान बनाई। वे महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञ थीं और अपने योगदान के लिए दुनियाभर में सम्मानित थीं। उनकी निर्मम हत्या ने भारत और कनाडा, दोनों देशों को झकझोर कर रख दिया था, लेकिन उनके हत्यारे आज भी कानून की पकड़ से बाहर हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात पर जोर दिया गया कि यह कानूनी देरी केवल गोयल परिवार के लिए व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है, बल्कि भारत की न्याय प्रणाली के लिए एक गंभीर मुद्दा भी है। गोयल परिवार ने संकल्प लिया है कि वे हर संभव प्रयास जारी रखेंगे, जब तक कि दोषियों को उनके अपराध की सजा नहीं मिल जाती।

एचडीएफसी बैंक में भारत सरकार की वरिष्ठ नागरिक बचत योजना भी उपलब्ध

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने घोषणा की कि वह अब वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) के तहत जमा स्वीकार करेगा, जो बुजुर्गों के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित एक बचत साधन है। एचडीएफसी बैंक भारत सरकार के लिए एक एजेंसी बैंक के रूप में कार्य करेगा और ग्राहकों को निर्बाध सेवा प्रदान करते हुए योजना जमा को स्रोत करने में मदद करेगा। सभी पात्र ग्राहक बैंक की किसी भी शाखा में जाकर एससीएसएस के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इस योजना के लिए पात्र ग्राहकों में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति और 55 वर्ष या उससे अधिक आयु के सेवानिवृत्त व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा रक्षा सेवाओं के सेवानिवृत्त कर्मी भी 50 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर इस योजना के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। एससीएसएस में निवेश आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत लाभ के लिए पात्र है। यह योजना पांच साल की लॉक-इन अवधि के साथ तिमाही ब्याज भुगतान प्रदान करती है। इसे तीन साल के लिए कई बार बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा एससीएसएस के तहत दी जाने वाली ब्याज दर को सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाता है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड-पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग श्री पराग राव ने कहा, ₹एक प्रमुख एजेंसी बैंक के रूप में हम भारत सरकार के प्रमुख राष्ट्रीय लघु बचत योजना कार्यक्रम के तहत एक और योजना पेश करते हुए प्रसन्न हैं।

एससीएसएस देश के बुजुर्ग नागरिकों को योजना के तहत दी जाने वाली आकर्षक ब्याज दर के आधार पर एक स्थिर आय स्ट्रीम विकसित करने में मदद करता है।

कान्वेंट शब्द पर गर्व न करें, सच समझें कॉन्वेंट का मतलब क्या है? : भवानजी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा के वरिष्ठ हिंदुवादी नेता और मुंबई के पूर्व डेप्युटी मेयर बाबुभाई भवानजी ने एक प्रसिद्धि पत्र मे कहा है कि कॉन्वेंट! सब से पहले तो यह जानना आवश्यक है कि, ये शब्द आखिर आया कहाँ से है, तो आइये प्रकाश डालते हैं। ब्रिटेन में एक कानून था, लिव इन रिलेशनशिप बिना किसी वैवाहिक संबंध के एक लड़का और एक लड़की का साथ में रहना, तो इस प्रक्रिया के अनुसार संतान भी पैदा हो जाती थी तो उन संतानों को किसी चर्च में छोड़ दिया जाता था। अब ब्रिटेन की सरकार के सामने यह गम्भीर समस्या हुई कि इन बच्चों का क्या किया जाए तब वहाँ की सरकार ने कॉन्वेंट खोले अर्थात जो बच्चे अनाथ होने के साथ-साथ नाजायज हैं , उनके लिए ये कॉन्वेंट बने। उन अनाथ और नाजायज बच्चों को रिश्तों का एहसास कराने के लिए उन्होंने अनाथालयो में एक फादर एक मदर एक सिस्टर की नियुक्ति कर दी क्योंकि ना तो उन बच्चों का कोई जायज बाप है ना ही माँ है। तो कॉन्वेन्ट बना नाजायज बच्चों के लिए जायज। इंग्लैंड में पहला कॉन्वेंट स्कूल सन 1609 के आसपास एक चर्च में खोला गया था जिसके ऐतिहासिक तथ्य भी मौजूद हैं और भारत में पहला कॉन्वेंट स्कूल कलकत्ता में सन 1842 में खोला गया था। परंतु तब हम गुलाम थे और आज तो लाखों की संख्या में कॉन्वेंट स्कूल चल रहे हैं। जब कलकत्ता में पहला कॉन्वेंट स्कूल खोला गया, उस समय इसे फ्री स्कूल कहा जाता था, इसी कानून के तहत भारत में कलकत्ता यूनिवर्सिटी बनाई गयी, बम्बई यूनिवर्सिटी बनाई गयी, मद्रास यूनिवर्सिटी बनाई गयी और ये तीनों गुलामी के जमाने की यूनिवर्सिटी

आज भी इस देश में हैं।

मैकाले ने अपने पिता को एक चिट्ठी लिखी थी बहुत मशहूर चिट्ठी है उसमें वो लिखता है कि इन कॉन्वेंट स्कूलों से ऐसे बच्चे निकलेंगे जो देखने में तो भारतीय होंगे लेकिन दिमाग से अंग्रेज होंगे। इन्हें अपने देश के बारे में कुछ पता नहीं होगा। इनको अपने संस्कृति के बारे में कुछ पता नहीं होगा। इनको अपनी परम्पराओं के बारे में भी कुछ पता नहीं होगा। इनको अपने मुहावरे ही नहीं मालूम होंगे, जब ऐसे बच्चे होंगे इस देश में तो अंग्रेज भले ही चले जाएँ इस देश से अंग्रेजियत नहीं जाएगी। उस समय लिखी चिट्ठी की सच्चाई इस देश में अब साफ-साफ दिखाई दे रही है और उस एक्ट की महिमा देखिये कि हमें अपनी भाषा बोलने में शर्म आती है, अंग्रेजी में बोलते हैं कि दूसरों पर रुवाब पड़ेगा। अरे ! हम तो खुद में हीन हो गए हैं। जिसे अपनी भाषा बोलने में शर्म हो, दूसरों पर क्या असर पड़ेगा ? लोगों का तर्क है कि अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है। दुनिया में 204 देश हैं और अंग्रेजी सिर्फ 11 देशों में ही बोली, पढ़ी और समझी जाती है फिर ये कैसे अंतर्राष्ट्रीय भाषा है? शब्दों के मामले में भी अंग्रेजी समृद्ध नहीं दरिद्र भाषा है। इन अंग्रेजों की जो बाइबिल है वो भी अंग्रेजी में नहीं थी और ईसा मसीह अंग्रेजी नहीं बोलते थे। ईसा मसीह की भाषा और बाइबिल की भाषा अरमेक थी। अरमेक भाषा की लिपि जो थी वो हमारे बंगला भाषा से मिलती जुलती थी। समय के कालचक्र में वो भाषा विलुप्त हो गयी। भारत देश में अब भारतीय लोग जिनके जायज माँ बाप भाई बहन सब हैं, वो कॉन्वेन्ट में जाते है तो क्या हुआ एक बाप घर पर है और दूसरा कॉन्वेन्ट में जिसे फादर कहते हैं। आज जिसे देखो कॉन्वेंट खोल रहा है जैसे बजरंग बली कॉन्वेन्ट स्कूल, माँ भगवती कॉन्वेन्ट स्कूल। अब इन लोगों को कौन समझाए कि माँ भगवती या बजरंग बली का कॉन्वेन्ट से क्या लेना देना? दुर्भाग्य की बात यह है कि, जिन चीजों का हमने त्याग किया अंग्रेजो ने वो सभी चीजों को पोषित और संचित किया फिर भी हम सबने उनकी त्यागी हुई गुलाम सोच को आत्मसात कर गर्वित होने का दुस्साहस किया।

नए भवन में शिफ्ट होगा सिंचाई विभाग

आजमगढ़। अगले माह में सिंचाई विभाग के दोनों खंडों को नया कार्यालय भवन मिल जाएगा। सिंचाई विभाग कॉलोनी में कार्यालय भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। रंग रोगन का काम अंतिम दौर में चल रहा है। इसके बाद दोनों खंडों के कार्यालय नए भवन में शिफ्ट कर दिए जाएंगे। शुरूआती दौर से ही यहां सिंचाई विभाग के दोनों खंड कार्यालय टीनशेड में संचालित हो रहे हैं। टीनशेड काफी पुराने हो चुके हैं। इसके कारण बरसात में जहां इनसे पानी टपकता है वहीं गर्मी के दिनों में टिनशेड के नीचे बैठकर कर्मचारियों को काम निपटाना मुश्किल हो जाता है। बरसात में पानी टपकने से फाइलों को रखने में दिक्कत आती होती है।

होंडा मोटरसाइकिल ने लॉन्च की शाइन 100

पटना (उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपडेटेड ओबीडी2बी -कॉम्प्लाएंट शाइन 100 को जबरदस्त स्टाइल के साथ पेश किया है। नई 2025 होंडा शाइन 100 की कीमत 68,767 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) रखी गई है। यह अब पूरे भारत में एचएमएसआई की डीलरशिप्स पर उपलब्ध है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने अपडेटेड शाइन 100 पेश करते हुए कहा,हमें भारत में अपने ग्राहकों के लिए नई ओबीडी2बी झ्र कॉम्प्लाएंट शाइन 100 पेश करते हुए खुशी हो रही है। मार्च 2023 में लॉन्च होने के बाद से, शाइन 100 ने एचएमएसआई के मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो में सबसे तेजी से बढ़ते ब्रांडों में से एक के रूप में अपनी जगह बनाई है। इस घोषणा के बारे में, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग के डायरेक्टर योगेश माथुर ने कहा, ₹शाइन 100 एंट्री लेवल के मोटरसाइकिल सेगमेंट में एक मजबूत सवारी है, जो किफायती कीमत पर असाधारण गुणवत्ता और आराम प्रदान करती है। इस नए अपग्रेड के साथ, हम इसकी अपील को और बढ़ा रहे हैं और उत्सर्जन के नए नियमों का पालन कर रहे हैं।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

अमिलो/बलरामपुर। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के सठियांव में डिवाइडर से उसकी बाइक टकरा गई थी और वह घायल हो गया था। परिजन उसे एक अस्पताल में भर्ती कराए थे जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, शहर कोतवाली क्षेत्र के बंशी बाजार रोड पर ऑटो से नीचे गिरकर एक युवक घायल हो गया। जिसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा निवासी विकास (25) 11 मार्च को रात लगभग नौ बजे बाइक से सठियांव स्थित कालिका हवेली ढाबा में खाना खाने जा रहा था।

विज्ञापन, ब्रांडिंग और साइनेज में रचनात्मकता और प्रौद्योगिकी का अद्भुत नजारा देखें मीडिया एक्सपो में

मुंबई। मीडिया एक्सपो मुंबई का 54वां संस्करण 10-12 अप्रैल 2025 को बॉम्बे एक्जीबिशन सेंटर, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। उद्योग में नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित करने वाले 150 से अधिक प्रदर्शकों की प्रभावशाली लाइन-अप की विशेषता वाले इस शो में प्रिंटिंग मशीनरी, स्याही, अभिनव अनुप्रयोग, ट्रेंडी साइनेज समाधान और बहुत कुछ तक सीधी पहुंच प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, विविधता को बढ़ाने के लिए एक्सपो में 20 से अधिक नए प्रवेशक भी शामिल होंगे।

इनडोर और आउटडोर विज्ञापन, ब्रांडिंग और साइनेज समाधानों के लिए एक प्रमुख व्यापार मेले के रूप में, इस साल पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली होने का वादा किया गया है। जैसे-जैसे अधिक ब्रांड विज्ञापन की शक्ति के माध्यम से उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, विज्ञापन एजेंसियां भी डिजिटल या प्रिंट माध्यमों के लिए रचनात्मक ब्रांडिंग समाधान प्रदान करने के लिए अतिरिक्त प्रयास कर रही हैं। प्रिंटिंग तकनीक, साइनेज और साइन सिस्टम, रिटेल और ओओएच डिस्प्ले, डिजिटल साइनेज - जो लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं, टेक्सटाइल और फैब्रिकेशन तकनीक के साथ-साथ उपभोग्य सामग्रियों और स्याही में नवाचारों के लिए धन्यवाद - जो विभिन्न अंतिम-उपभोक्ता टचपॉइंट्स में उत्कृष्ट ब्रांडिंग समाधानों को सक्षम करने की रीढ़ बनाते हैं। स्मार्ट सिटी मिशन और बुनियादी ढांचे के विकास परियोजनाओं जैसी सरकारी पहलों ने इसे और सशक्त बनाया है, जिसके कारण नए विज्ञापन स्थान बनाए गए हैं, जिससे अधिक व्यावसायिक अवसर खुल रहे हैं। हवाई अड्डों, मेट्रो स्टेशनों और शॉपिंग मॉल जैसे आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास ने प्रमुख विज्ञापन स्थानों की उपलब्धता में वृद्धि की है। भारत में डिजिटल आउट-ऑफ-होम विज्ञापन बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं, डिजिटल साइनेज को अपनाने, डेटा एनालिटिक्स के एकीकरण और अंतर्निहित मैक्रो-इकोनॉमिक कारकों के कारण उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इस क्षेत्र में विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, मीडिया एक्सपो मुंबई विज्ञापन, ब्रांडिंग और साइनेज, स्याही और उपभोग्य सामग्रियों आदि से अग्रणी समाधान प्रदाताओं को एक साथ लाएगा।

आगामी एक्सपो से पहले, मेसे फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक और बोर्ड सदस्य राज मानेक ने कहा प्रौद्योगिकी पर बहुत अधिक निर्भर करते हुए, विज्ञापन और ब्रांडिंग सेगमेंट को गुणवत्तापूर्ण दृश्य और संदेश सक्षम करने के लिए सुविधाओं और प्रक्रियाओं में नवाचारों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। जबकि डिजिटल और इंटरैक्टिव डिस्प्ले बढ़ रहे हैं, प्रिंट माध्यम बिलबोर्ड विज्ञापनों, ट्रांज़िट विज्ञापनों, बस ब्रांडिंग और अन्य के माध्यम से समग्र विज्ञापन परिदृश्य पर हावी होना जारी रखते हैं। इसलिए, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि आगामी मीडिया एक्सपो मुंबई 2025 में 150 से अधिक अग्रणी ब्रांडों की नवीनतम पेशकशें प्रदर्शित की जाएंगी जो विज्ञापन, ब्रांडिंग और साइनेज के भविष्य को आकार दे रही हैं - एक ऐसा उद्योग जो लागत गहन और रचनात्मक रूप से प्रतिस्पर्धी है।

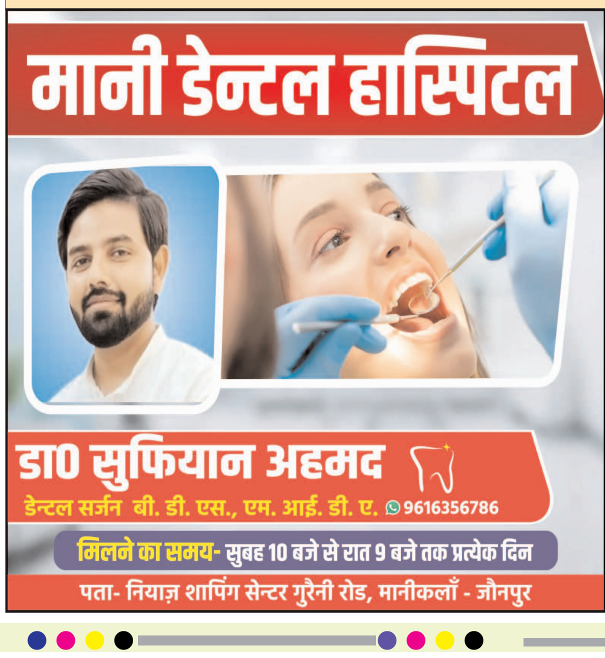

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक का सातवां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक का सातवां स्थापना दिवस समारोह 16 मार्च 2025 रविवार को मुंबई के मटुंगा ईस्ट स्थित सेंट्रल रेलवे अधिकारी क्लब हाल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो. रामजन्म प्रजापति, प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी, पूर्व उपमहापौर व पूर्व नगर सेवक समाजसेवी बाबू भाई भगवानजी, सपा नेता व समाजसेवी आर.एन. यादव, वरिष्ठ पत्रकार नामदार राही, वरिष्ठ पत्रकार गोविंद विश्वकर्मा, समाजसेवी के. के. मिश्रा बच्चन, समाज सेवी भारत भाई शुक्ला, कांग्रेस नेता व समाजसेवी डॉक्टर बाबूलाल सिंह, समाजसेवी सीपी प्रजापति, एडवोकेट अशोक दुबे, सीए विजय कुमार प्रजापति, गंगाराम विश्वकर्मा, शीतला सरोज, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, उपसंपादक रमेश प्रजापति, वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह, पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू, अवधेश मिश्रा, पत्रकार कल्लू गुप्ता, मोहित दुबे, राजकुमार अग्रहरि, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ भोलानाथ चौहान, रामसेवक बिंद, पत्रकार नरेंद्र सोनी, निकुंज सोनी, वरिष्ठ पत्रकार तारकेश्वर पाण्डेय, रमेश प्रजापति, अशोक पाण्डे, भाजपा नेता ओमप्रकाश पाण्डे, कैलाश चंद्रधारी यादव, शशीकांत यादव, सुरेन्द्र यादव, धर्मराज प्रजापति, सचिन, दिलीप प्रजापति, कंचन मौर्या, शशिकला पटेल, अरविन्द विंद, राज बिन्द दीनानाथ यादव के साथ उत्तर शक्ति से जुड़े संवाददाता व शुभचिंतक गण मौजूद रहे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रोफेसर डॉक्टर दयानंद तिवारी ने उत्तर शक्ति हिंदी दैनिक को सतत आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन किया और लोगों से सहयोग की अपील की। इसी क्रम में उत्तर शक्ति के संरक्षक शरद प्रजापति ने उत्तरशक्ति के जीवनी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए लोगों से इसे और आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन व सहयोग की अपील की। प्रबंध संपादक डॉक्टर शेषधर बिंद ने भी उत्तरशक्ति के बारे में चर्चा करते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए लोगों से तन मन धन से सहयोग करने की अपील की। प्रो. रामजन्म प्रजापति ने उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक को सदा निष्पक्ष तरीके से लोगों के बीच पहुंचाने के लिए जुड़े सभी महानुभावों से सहयोग करने तथा मिल कर कार्य करने के लिए अपील किया। अन्त में संस्थापक व संपादक ओम प्रकाश प्रजापति ने आए हुए लोगों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन रामलाल यादव द्वारा किया गया।

काशी के घाटों पर सजेगी सुरों की महफिल, गंगा की लहरों पर खेलेंगे अबीर-गुलाल

* बुढ़वा मंगल : अस्सी से राजघाट तक बजड़ों पर मनेगा जश्न
*कलाकारों के कमाल की प्रस्तुति को देखने देश ही नहीं विदेशों सैलानी भी नजर आते हैं नए परिधानों के बीच ठंडाई और बनारसी मिठाई का भी उठाते हैं लुत्फ

-सुरेश गांधी

वाराणसी। होली के बाद पहले मंगलवार यानी 18 मार्च को बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में बुढ़वा मंगल है। इस दिन काशी में रंगोत्सव का समापन भी खास अंदाज में होता है। इस दिन काशी में गीत, गुलाल और खुशियों के साथ अनोखा जश्न मनाया जाता है। इस दौरान अस्सी से राजघाट तक गंगा की लहरों पर बजड़े सजाए जाते हैं। फूलों की लड़ियों से सजी नाव-बजड़े, चांदनी-मसनद, शमादान और गलीचे पर सजी संगीत की महफिल के बीच लोग एक-दुसरे को अबीर-गुलाल लगाते है।

बता दें, होली के बाद आने वाले मंगलवार तक बनारसियों में खुमारी छाई रहती है। मंगलवार को ह्यबुढ़वा मंगलह्ण के साथ इसका समापन होता है। बुढ़वा मंगल की परंपरा सालों पुरानी है और इस परंपरा को बनारस आज भी संजोए हुए है। वाराणसी में इस त्योहार को लोग होली के समापन के रूप में भी मनाते हैं जहां होली की मस्ती के बाद बनारसी जोश के साथ अपने पुराने काम के ढर्रे पर लौट जाते हैं। मंगलवार को बनारस के कई घाटों पर इस परंपरा का निर्वहन होता है। दशाश्वमेध घाट से अस्सी घाट तक बुढ़वा मंगल की खुमारी में लोग डूबते उतराते दिखते हैं। गंगा नदी में खड़े बजड़े में लोकगायक अपनी प्रस्तुति देते हैं। इसमें बनारस और आस पास के जिलों के कई लोकगायक और कलाकार शामिल होते हैं। बनारसी घराने की होरी, चैती, ठुमरी से शाम और सुरीली हो उठती है।

कलाकारों के कमाल की प्रस्तुति को देखने के लिए आम जन बड़ी संख्या में जुटते हैं। देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी सैलानी बनारस की बुढ़वा मंगल की परंपरा का लुत्फ उठाते नजर आते हैं। बुढ़वा मंगल केवल गीत संगीत ही नहीं, बल्कि खान-पान, गुलाल और पहनावे का भी जश्न है ! इस दिन बनारसी नए कपड़े पहनकर पहुंचते हैं। कुल्हड़ में ठंडाई और बनारसी मिठाई का भी स्वाद उठाते हैं। कन्हईराम का कहना है कि होली के बाद तो हम लोगों को बुढ़वा मंगल का इंतजार रहता है। इस दिन घरों में भी पकवान बनता है और दोस्तों और परिवार में होली मिलने जाने का अंतिम दिन होता है। इस दिन के बाद घरों से गुलाल-अबीर को अगले साल होली आने तक के लिए रोक दिया जाता है। घाट पर जाकर लोकगीत और त्योहार के रंग को सेलिब्रेट करते हैं।

कई घाटों पर होता है परंपरा का निर्वहन

होली के बाद पड़ने वाले पहले मंगलवार को बनारस के कई घाटों पर इस परंपरा का निर्वहन होता है। दशाश्वमेध घाट से अस्सी घाट तक बुढ़वा मंगल की खुमारी में लोग डूबते उतराते हैं। गंगा नदी में खड़े बजड़े में लोकगायक अपनी प्रस्तुति देते हैं। इसमें बनारस और आसपास के जिलों के कई लोकगायक कलाकार शामिल होते हैं। बनारसी घराने की होरी, चैती, ठुमरी से शाम सुरीली हो उठती है। होली की मस्ती के बाद, बनारसी जोश के साथ लोग अपने पुराने काम के ढर्रे पर लौट जाते हैं।

विकसित महाराष्ट्र का लक्ष्य हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे और कृषि को प्राथमिकता: अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि महायुति सरकार ने विकसित महाराष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि, उद्योग, रोजगार सृजन और कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी है।

राज्य के बजट 2025-26 पर विधानसभा में चर्चा का जवाब देते हुए पवार ने कहा कि बड़े सपने देखने और बड़े विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। अजित पवार के पास राज्य के वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार में ताकत और राजनीतिक इच्छाशक्ति है। उन्होंने कहा कि यदि सड़क अवसंरचना और नेटवर्क का विस्तार किया जाए, तो उद्योगों की उत्पादकता बढ़ेगी, किसानों को परिवहन पर कम खर्च उठाना पड़ेगा, ईंधन की बचत होगी और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। पवार ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी राज्य में कृषि को नया जीवन देगी और किसानों को समृद्ध बनाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना जारी रहेगी और अयोग्य लाभार्थियों को हस्तांतरित धन वापस नहीं लिया जाएगा। पवार ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कई महिलाओं ने छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए 1,500 रुपये का इस्तेमाल शुरूआती पूंजी के तौर पर किया है, और कई महिलाओं ने यह अपील किये जाने के बाद उज्ज्वला गैस योजना का लाभ छोड़ दिया है कि यह योजना समाज के गरीब वर्गों के लिए है। उन्होंने कहा, ह्यअगर ऐसी महिलाओं को सशक्त बनाया जाता है, तो राज्य की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। मंत्री ने कहा कि सरकार के कृषि विकास पर ध्यान केंद्रित करने के कारण, इस क्षेत्र की वृद्धि दर 2024-25 में बढ़कर 8.7 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि 2023-24 में यह 3.3 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि एआई प्रौद्योगिकी फसल प्रबंधन मार्गदर्शन प्रदान करेगी और उत्पादकता बढ़ाएगी।

16वां जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आगाज

* युवाओं में असीम ऊर्जा होती है, आवश्यकता है उसे रचनात्मक दिशा में लगाने की : पूनम मौर्या
* मकसद : एक दूसरे की संस्कृति, वेश भूषा, विचार का आदान प्रदान
* कार्यक्रम में 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया

वाराणसी। नेहरू युवा केन्द्र, माय भारत वाराणसी, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में सोमवार को सोना तालाब स्थित सेंट फ्रांसिस जेवियर स्कूल में 16 वां जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या एवं विशिष्ट अतिथि विधायक रोहनिया सुनील पटेल ने युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंदजी के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन किया।

इस दौरान मुख्य अतिथि ने जनजातीय युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कंधमाल ओडिशा, बालाघाट मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा से आये आदिवासी समुदाय के प्रतिभागियों का काशी की घरती पर स्वागत करती हूं। इस कार्यक्रम का आयोजन एक दूसरे की संस्कृति, वेश भूषा, विचार का आदान प्रदान के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं में असीम ऊर्जा होती है, आवश्यकता है उसे रचनात्मक दिशा में लगाने की। उन्होंने युवाओं का आवाह्न किया कि प्रधान मंत्री ने जो सपना 2047 तक भारत को विकसित बनाने का देखा है उसे युवा अवश्य पूरा करेगा। विधायक रोहनिया सुनील पटेल ने कहा कि युवा भारत के भविष्य है। आप सब प्रत्येक समुदाय के लोगों से जुड़े और उनके संस्कृति के बारे में जानकारी हासिल करें। जब यहां से आप लोग वापस अपने समुदाय में जाये तो यहां के अनुभव को सांझा करे।

इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक माहे आलम, एपीएस सुभाष प्रजापति ने बताया कि इस कार्यक्रम में 200 प्रतिभागी एवं उनकी सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ बीएसएफ के 20 स्कॉर्ट पधारे हैं। स्वागत गीत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। लोक नृत्य बालाघाट के की टीम ने प्रस्तुत किया। अतिथियों के शिविर में पहुंचने पर प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा में बैंड बाजा के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन अंगद यादव द्वारा किया गया। सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन नेहरू युवा केंद्र वाराणसी के जिला युवा अधिकारी प्रतीक साहू ने किया। इस अवसर पर शिवधार यादव प्रबंधक सेंट फ्रांसिस जेवियर स्कूल, नेहरू युवा केंद्र भदोही के जिला युवा अधिकारी रामगोपाल, आइकॉन राम सिंह, राकेश, देवेंद्र नवीन सिंह,

रिश्वतखोरी के आरोपी सत्र अदालत के न्यायाधीश को नहीं मिली अग्रिम जमानत

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आरोपी सत्र अदालत के न्यायाधीश को अग्रिम जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने धोखाधड़ी के एक मामले में जमानत देने के लिए कथित तौर पर पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में सतारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम के खिलाफ मामला दर्ज किया था। न्यायिक अधिकारी से संबंधित मामला होने के कारण न्यायमूर्ति एन आर बोरकर की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई कक्ष में की लेकिन उन्होंने यह कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि वह कोई राहत देने के इच्छुक नहीं हैं। निकम ने जनवरी में अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था और दावा किया था कि वह निर्दोष हैं तथा उन्हें इस मामले में फंसाया गया है। वकील वीरेश पुरवंत के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया कि प्राथमिकी में निकम द्वारा पैसे की कोई सीधी मांग या स्वीकार करने के तथ्य नहीं दिखाए गए हैं। इसमें दावा किया गया है कि उन्हें न तो शिकायतकर्ता और अन्य आरोपियों के बीच मुलाकातों के बारे में पता था तथा न ही शिकायतकर्ता का जमानत मांगने वाले आरोपी से कोई संबंध था। एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उसके पिता, जो सिविल डिफेंस कर्मचारी हैं, सरकारी नौकरी देने के बहाने किसी को धोखा देने के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। निचली अदालत द्वारा जमानत देने से इनकार करने के बाद महिला ने सतारा सत्र अदालत में जमानत याचिका दायर की, जिस पर निकम को सुनवाई करनी थी। एसीबी ने आरोप लगाया कि दो लोगों मुंबई के किशोर संभाजी खरात और सतारा के आनंद मोहन खरात ने निकम के कहने पर महिला से अनुकूल आदेश के लिए पांच लाख रुपये की मांग की।